उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं
प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

VOLUME 1

उत्तर प्रदेश पुलिस
सब-इंस्पेक्टर (SI)

सामान्य ज्ञान | मूल विधि | संविधान | सामान्य हिन्दी

ATTENTION!

इन प्रश्नों को ignore मत करना !

यह पुस्तक विगत परीक्षाओं में पूछे गए महत्वपूर्ण प्रश्नों का अद्भुत संकलन है जो आगामी परीक्षा में ज़रूर फसेंगे।

वर्ष 1991 से अब तक
सभी प्रश्न-पत्र के

2400+
अध्यायवार
महत्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Code	Price	Pages	ISBN
CB1124	₹ 349	360	978-93-5561-678-4

विषय सूची

पृष्ठ संख्या

Exam Information, Preparation Strategy and Current Affairs

⊙ **Agrawal Examcart Help Centre** viii

⊙ **Student's Corner** ix

⊙ **उत्तर प्रदेश उप-निरीक्षक (SI) का पाठ्यक्रम एवं परीक्षा पैटर्न** x

सामान्य ज्ञान 1-159

1. प्राचीन भारत का इतिहास 1-3

- सिन्धु घाटी सभ्यता
- वैदिक सभ्यता
- छठी शताब्दी के धार्मिक आन्दोलन (बौद्ध तथा जैन धर्म)
- अन्य धार्मिक आन्दोलन (भागवत, शैव, वैष्णव धर्म आदि)
- मौर्य काल

2. मध्यकालीन भारत का इतिहास 4-6

- भारत पर मुस्लिम आक्रमण
- बहमनी तथा विजयनगर साम्राज्य
- मुगल वंश का उदय तथा पतन
- सिख सम्प्रदाय
- मराठा राजवंश

3. आधुनिक भारत का इतिहास 7-17

- भारत में यूरोपीय कंपनियों का आगमन
- ईस्ट इण्डिया कंपनी तथा बंगाल के नवाब
- क्षेत्रीय राज्य (पंजाब एवं मैसूर)
- गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय
- ब्रिटिश साम्राज्य का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव
- 1857 की क्रान्ति
- अन्य जन आन्दोलन
- आधुनिक भारत में शिक्षा का विकास
- आधुनिक भारत में प्रेस का विकास
- सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आन्दोलन
- कांग्रेस से पूर्व स्थापित राजनैतिक संस्थाएँ
- भारत का स्वतंत्र संघर्ष

4. कला एवं संस्कृति **18-20**

5. भारत का भूगोल **21-29**

- भारत का भौतिक विभाजन
- भारत का अपवाह तंत्र
- भारत की मृदा
- भारत की प्राकृतिक वनस्पति
- भारत में वन्य जीव और राष्ट्रीय उद्यान
- भारत में कृषि एवं पशुपालन
- भारत में खनिज संसाधन
- भारत में ऊर्जा स्रोत
- भारत में उद्योग
- भारत में अनुसंधान केंद्र
- भारत में परिवहन
- भारत जनसांख्यिकी
- भारतः विविध

6. विश्व का भूगोल **30-36**

- सौरमंडल तथा ग्रह
- चट्टानें
- ज्वालामुखी
- विश्व के महाद्वीप
- विश्व के शुष्क प्रदेश/मरुस्थल
- विश्व के प्रमुख घास के मैदान
- विश्व के देशों से सम्बन्धित तथ्य
- महासागरीय लवणता
- विश्व के प्रमुख द्वीप
- विश्व की प्रमुख झीलें तथा जलप्रपात
- विश्व की प्रमुख नहरें
- वायुमंडल की संरचना
- सूर्यताप तथा ऊष्मा बजट
- चक्रवात
- विश्व की जलवायु
- विश्व की मृदा
- विश्व की प्रजातियाँ तथा जनजातियाँ
- विश्व में परिवहन
- विश्व में कृषि एवं पशुपालन
- विश्वः विविध
- पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

7. भारतीय संविधान **37-113**

- भारत में संवैधानिक विकास
- भारतीय संविधान सभा
- भारतीय संविधान की उद्देशिका
- भारतीय संविधान के भाग, अनुच्छेद तथा अनूसूचियाँ
- भारतीय संविधान के स्रोत
- शासन प्रणाली
- संघ और उसका राज्य क्षेत्र
- नागरिकता
- मूल अधिकार
- राज्य के नीति निदेशक तत्व
- मूल कर्त्तव्य
- राष्ट्रपति
- उप–राष्ट्रपति
- प्रधानमंत्री तथा मंत्री परिषद्
- महान्यायवादी तथा महालेखा परीक्षक
- वरीयता अनुक्रम
- संसद
- भारतीय न्यायपालिका
- राज्यपाल
- राज्य का विधानमंडल
- मुख्यमंत्री तथा मंत्री परिषद्
- केंद्र राज्य सम्बन्ध
- आपात उपबंध
- विभिन्न आयोग एवं अधिकरण
- लोकपाल तथा लोकायुक्त
- अस्थाई तथा विशेष प्रावधान
- चुनाव आयोग
- संविधान संशोधन
- स्थानीय स्वशासन तथा सहकारिता
- विविध

8. भारतीय अर्थव्यवस्था **114-121**

- भारतीय अर्थव्यवस्था का परिचय
- आर्थिक नियोजन
- आर्थिक सुधार
- मुद्रास्फीति एवं व्यापार
- कृषि एवं खाद्य प्रबंधन
- उद्योग एवं विनिर्माण
- भारतीय वित्त बाजार
- भारत में बैंकिंग व्यवस्था
- भारत में प्रतिभूमि बाजार
- भारत का वैदेशिक क्षेत्र
- अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संगठन एवं भारत
- भारत में कर संरचना
- भारत में लोक वित्त
- धारणीयता एवं जलवायु परिवर्तन
- अर्थव्यवस्था : विविध

9. भौतिक विज्ञान **122-123**

- बल एवं गति
- गुरुत्वीय बल तथा त्वरण
- पदार्थों के गुण
- प्रकाश एवं प्रकाशिक यंत्र
- विभिन्न आविष्कार तथा आविष्कारक

10. रसायन विज्ञान **124-125**

- पदार्थ या द्रव्य
- रासायनिक अभिक्रियाएँ तथा परिवर्तन
- तत्वों का वर्गीकरण
- कुछ महत्वपूर्ण तथ्य एवं यौगिक
- मानव निर्मित वस्तुएँ

11. जीव विज्ञान **126-133**

- जीवों का वर्गीकरण
- कोशिका तथा ऊतक
- मानव शरीर के तंत्र तथा रोग
- सूक्ष्मजीव तथा उनसे होने वाली बीमारियाँ
- जीवों में पोषण तथा पोषण सम्बन्धी रोग
- पादप कार्यिकी
- जैव विकास तथा आनुवंशिकी
- आविष्कार एवं आविष्कारक
- विविध

12. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी **134-145**

- जैव प्रौद्योगिकी
- रक्षा प्रौद्योगिकी
- कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी
- अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी

13. सामान्य ज्ञान (विविध) **146-153**

- भारत एवं विश्व में प्रथम महिला
- भारत एवं विश्व में प्रथम पुरुष
- देशों के राष्ट्रीय चिह्न
- अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ
- प्रमुख देशों की समाचार एजेंसियाँ
- विश्व की गुप्तचर संस्थाएँ
- संयुक्त राष्ट्र संघ एवं अन्य प्रमुख संगठन
- अंतर्राष्ट्रीय वर्ष, सप्ताह तथा दिवस
- विश्व एवं भारत के पुरस्कार एवं सम्मान
- प्रमुख व्यक्तियों के उपनाम
- भारत एवं विश्व में प्रथम पुरुष
- भारत एवं विश्व में सबसे बड़ा, लम्बा, ऊँचा
- महान व्यक्तियों से सम्बन्धित कार्य
- प्रमुख लेखक एवं उनकी पुस्तकें

14. उत्तर प्रदेश सामान्य ज्ञान **154-159**

मूल विधि 1-102

(खण्ड क)

1. भारतीय दण्ड संहिता एवं अपराध संहिता **1-14**

2. महिला संरक्षण/मातृत्व अधिनियम, बालकों तथा अनुसूचित जाति/जनजाति आदि को संरक्षण देने सम्बन्धी प्रावधान **15-22**

3. मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम **23-29**

4. यातायात नियम एवं पर्यावरण तथा वन्य जीव संरक्षण **30-39**

5. आयकर अधिनियम एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम **40-46**

6. भूमि सुधार, भूमि अधिनियम एवं भू–राजस्व सम्बन्धी विधियाँ **47-54**

7. सूचना का अधिकार अधिनियम, आई.टी. अधिनियम एवं साइबर अपराध **55-65**

8. उत्तर प्रदेश पुलिस एवं सम्बंधित अधिनियम **66-72**

9. राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम **73-77**

10. हिन्दू विवाह एवं उत्तराधिकार अधिनियम **78**

11. मुस्लिम स्वीय (निजी) विधि **79**

12. श्रम अधिनियम **80**

13. जनहित याचिका एवं महत्वपूर्ण वाद/न्यायिक निर्णय **81-89**

14. विविध **90-99**

(खण्ड ख)

- **भारतीय संविधान** **100-102**

सामान्य हिन्दी 1-81

1.	हिंदी भाषा का विकास	1-6
2.	वर्ण विचार एवं वर्तनी	7-9
3.	संधि एवं समास	10-11
4.	शब्द विचार	12-13
5.	शब्द भेदः संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रियाविशेषण एवं अव्यय	14-19
6.	लिंग, वचन, कारक एवं काल	20-25
7.	पर्यायवाची एवं विलोमार्थी शब्द	26-30
8.	एकार्थी एवं अनेकार्थी शब्द	31-32
9.	उपसर्ग-प्रत्यय	33-34
10.	वाक्यः अंग, भेद, रचना एवं विराम चिह्न	35-36
11.	वाक्यगत अशुद्धियाँ	37-39
12.	वाक्यांश के लिए एक शब्द	40-41
13.	वाच्य	42
14.	रिक्त स्थानों की पूर्ति	43-47
15.	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	48-51
16.	रस, छन्द एवं अलंकार	52-57
17.	शब्दकोश/साहित्य कोश/पारिभाषिक एवं तकनीकी शब्दों का प्रयोग	58
18.	हिंदी साहित्य का इतिहास	59-64
19.	हिंदी साहित्य-कवि, रचनाएँ भाषा शैली	65-74
20.	अपठित गद्यांश	75-78
21.	विविध	79-81

अध्याय

1

प्राचीन भारत का इतिहास

H-1.1 सिन्धु घाटी सभ्यता

1. हड़प्पा शहर से खोजे गए 'पशुपति शिव सील' में निम्नलिखित जानवरों में से किसे दर्शाया नहीं गया है?
(A) बाघ (B) शेर
(C) हाथी (D) गेंडा
[UPSI परीक्षा, 29-11-2021 (प्र.पा.)]

2. प्राचीन भारतीय संस्कृति और सभ्यता के प्रतीक निम्नलिखित शहरों से किसके अवशेष पाकिस्तान में हैं?
(a) हड़प्पा
(b) मोहनजोदड़ो
(c) कालीबंगा
(A) केवल a (B) a और b
(C) b और c (D) केवल b
[UPSI 19-05-16 Shift-II]

3. हड़प्पा सभ्यता में 'गढ़' जगह किस के लिए जानी जाती थी?
(A) वहाँ उच्चतर वर्ग के तीन लोग बसते थे।
(B) वहाँ पुस्तक रखी जाती थी।
(C) वहाँ पूरे शहर के लिए भोजन तैयार किया जाता था।
(D) वहाँ निचले वर्ग के लोग बसते थे।
[UPSI 20-12-17 Shift-I]

4. सिंधु सभ्यता में निर्यात किया जाता था?
(A) सूती वस्त्र B) सोना
(C) मिट्टी के बर्तन (D) काली मिर्च
[UPSI 1999]

H-1.2 वैदिक सभ्यता

1. वैदिक काल में निम्नलिखित में से किस अनाज के लिए 'वृहि' शब्द का प्रयोग किया जाता था?
(A) गेहूँ (B) मक्का
(C) जौ (D) चावल
[UPSI 21-12-17 Shift-III]

2. निम्न में से उपनिषद् किसकी व्याख्या करता है?
(A) आर्यों के दर्शन और सिद्धांतों की
(B) आर्यों की कानून व्यवस्था की
(C) आर्यों की राजनैतिक व्यवस्था की
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
[UPSI 2001]

3. पूर्व वैदिक काल में समाज के विभाजन का आधार क्या था?
(A) धर्म (B) धन
(C) जन्म (D) पेशा
[UPSI 1999]

H-1.3 छठी शताब्दी के धार्मिक आन्दोलन (बौद्ध तथा जैन धर्म)

1. निम्नलिखित में से किस धर्म की स्थापना भारतीय उपमहाद्वीप में हुई थी?
(A) यहूदी धर्म (B) ईसाई धर्म
(C) इस्लाम (D) बौद्ध धर्म
[UPSI परीक्षा, 14-11-2021 (तृ.पा.)]

2. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थान बुद्ध वंश के शाक्यों द्वारा शासित था?
(A) कपिलवस्तु (B) अंग
(C) मगध (D) गांधार
[UPSI 16-12-17 Shift-I]

3. Gaccha नामक संगठन निम्नलिखित में से किस धर्म से संबंधित है?
(A) हिन्दू धर्म (B) जैन धर्म
(C) बौद्ध धर्म (D) सिख धर्म
[UPSI 19-12-17 Shift-I]

4. बुद्ध के जीवन की घटनाओं और उनसे सम्बद्ध स्थलों को सुमेलित करें–
(A) जन्मस्थान 1) लुम्बिनी
(B) ज्ञान की प्राप्ति 2) बोधगया
(C) प्रथम उपदेश 3) सारनाथ
(D) निर्वाण की प्राप्ति 4) कुशीनगर
(A) A-1, B-2, C-3, D-4
(B) A-1, B-3, C-2, D-4
(C) A-4, B-2, C-3, D-1
(D) A-3, B-2, C-1, D-4
[UPSI 2013]

H-1.4 : अन्य धार्मिक आन्दोलन (भागवत, शैव, वैष्णव धर्म आदि)

1. वैष्णववाद के प्रमुख समर्थकों में से एक के रूप में सम्मानित शंकरदेव, किस भारतीय राज्य से सम्बन्धित थे?
(A) केरल (B) असम
(C) उत्तर प्रदेश (D) पश्चिम बंगाल
[UPSI परीक्षा, 30-11-2021 (द्वि.पा.)]

2. ईश्वर के अस्तित्व में विश्वास की कमी या इनकार को ..... कहा जाता है।
(A) एकेश्वरवाद
(B) रहस्यवाद
(C) अनेकेश्वरवाद
(D) अनीश्वरवाद
[UPSI परीक्षा, 22-11-2021 (द्वि.पा.)]

3. "ग्रंथ साहिब" किस धर्म का पवित्र ग्रन्थ है?
(A) सिख धर्म (B) ईसाई धर्म
(C) इस्लाम (D) हिन्दू धर्म
[UPSI परीक्षा, 21-11-2021 (द्वि.पा.)]

H 1-5 मौर्य काल

1. चन्द्रगुप्त द्वितीय के कार्यकाल में निम्न में से किसने भारत का दौरा किया?
(A) फाह्यान (B) हुएँत्संग
(C) अश्वघोष (D) वसुमित्र
[UPSI 22-12-17 Shift-III]

2. कौटिल्य का अर्थशास्त्र मौर्य प्रणाली के किस क्षेत्र का वर्णन करता है?
(A) अर्थशास्त्र
(B) प्रशासन
(C) विदेश नीति
(D) वाणिज्य
[UPSI 1991]

व्याख्यात्मक हल

H-1.1 सिन्धु घाटी सभ्यता

1. (B)
- हड़प्पा शहर से खोजे गये पशुपति शिव सील में शेर को नहीं दर्शाया गया है।
- पशुपति शिव सील (मुहर) में एक योगी की बैठी हुई आकृति संभवतः शिव पशुपति को दर्शाती है।
- वह चार पशुओं से घिरा हुआ है–गैंडा, भैंस, हाथी और बाघ।
- सिंहासन के नीचे दो हिरण दिखाये गये हैं।
- पशुपति का अर्थ पशुओं का स्वामी है।

2. (B) प्राचीन भारतीय संस्कृति और सभ्यता के प्रतीक हड़प्पा और मोहनजोदड़ो शहर के अवशेष पाकिस्तान में हैं। हड़प्पा,

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित 'माण टगोमरी' जिले में रावी नदी के बायें तट पर स्थित स्थल है। मोहनजोदड़ो जिसे मुर्दो का टीका भी कहा जाता है। एक सुव्यवस्थित नगरीय सभ्यता थी जो पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त में सिन्धु नदी के दाहिने तट पर स्थित था। कालीबंगा, राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में घग्घर नदी के बायें तट पर स्थित प्राचीन सिन्धु सभ्यता स्थल है। सिन्धु सभ्यता के अन्य भारतीय स्थल व उनके जिलों के नाम निम्नलिखित हैं—बनवाली (हरियाणा), रंगपुर (गुजरात), सुरकोटदा (गुजरात), धौलावीरा (गुजरात), राखीगढ़ी (हरियाणा), रोपड़ (पंजाब), लोथल (गुजरात), दायमाबाद (महाराष्ट्र), आलमगीरपुर (उत्तर प्रदेश), माण्डा (जम्मू-कश्मीर) इत्यादि हैं।

3. (A) ● हड़प्पा सभ्यता में 'गढ़' नामक स्थान पर उच्चतर वर्ग के लोग निवास करते थे। हड़प्पा नगर प्रायः दो भागों में विभाजित होते थे जिनमें एक गढ़ (ऊँचा भाग) तथा दूसरा निचला भाग जिसमें प्रायः सामान्य और कर्मकार (श्रमिक वर्ग) निवास करते थे।

4. (A) ● हड़प्पा सभ्यता में सूती वस्त्र निर्यात किये जाते थे। इस काल में अर्न्तदेशीय और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार किया जाता था कुछ वसतुओं का आयात किया जाता था। जबकि सूती वस्त्र, हाथी के दाँत की बनी वस्तुयें तथा बहुमूल्य पत्थरों के मनके इत्यादि का निर्यात इस सभ्यता के अन्तर्गत किया जाता था।

H-1.2 वैदिक सभ्यता

1. (D) ● वैदिक काल में धान के लिये वृहि शब्द का प्रयोग किया जाता था। यव (जौ) ए माण (उड़द) मुद्ग (मूंग) गोधूम (गेहूँ) आदि अनाजों का वर्णन यजुर्वेद में मिलता है।

2. (A) ● उपनिषद आर्यों के दर्शन और सिद्धान्तों की व्याख्या करते हैं उपनिषदों की कुल संख्या 108 है। उपनिषद् भारत के अनेक दार्शनिकों (ऋषि मुनि) के अनके वर्षों के गम्भीर चिन्तन-मनन का परिणाम है। उपनिषद् को वेदांत कहा जाता है।

3. (D) ● पूर्व वैदिक काल में समाज के विभाजन का मुख्य आधार पेशा (कर्म) था, लेकिन उत्तर वैदिक काल में समाज का विभाजन कर्म पर आधारित न होकर जन्म पर आधारित हो गया था। ऋग्वेद के दशवें मण्डल में चारों वर्णों का उल्लेख किया गया है।

H-1.3 छठी शताब्दी के धार्मिक आन्दोलन (बौद्ध तथा जैन धर्म)

1. (D) बौद्ध धर्म की स्थापना भारतीय उपमहाद्वीप में हुई। भारतीय उपमहाद्वीप में दुनिया के चार प्रमुख धर्मों का जन्म स्थान है, अर्थात् बुद्ध धर्म, सिक्ख धर्म, जैन और हिन्दू धर्म।

यहूदी धर्म–आधुनिक यहूदी धर्म लगभग 500 ईसा पूर्व तक प्राचीन इजराइल और यहूदा के धर्म याहविस्म में विकसित हुआ।

ईसाई धर्म– ईसा की मृत्यु और पुनरुत्थान के बाद पहली शताब्दी ईस्वी में ईसाई धर्म शुरू हुआ यहूदिया, में यहूदी लोगों के एक समूह के रूप में शुरू होकर यह तेजी से पूरे रोमन साम्राज्य में फैला।

इस्लाम– पश्चिमी अरब में मक्का में जन्मे मुहम्मद ने 610 ईस्वी में मुस्लिम धर्म की स्थापना की।

2. (A) ● कपिल वस्तु स्थन बुद्ध वंश के शाक्यों द्वारा शासित था। शाक्य एवं गण संघ था। गौतम बुद्ध का जन्म कपिलवस्तु के समीप लुम्बिनी वन में 563 ई.पू. में हुआ था। इनके पिता का नाम शुद्धोधन था तथा माता का नाम महामाया था। इनका लालन-पालन विमाता प्रजापति गौतमी द्वारा किया गया था। बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था। सिद्धार्थ का विवाह 16 वर्ष की आयु में कोलिय वंश की कन्या यशोधरा से हुआ, जिससे राहुल नामक पुत्र की प्राप्ति हुयी।

3. (B) ● Gaccha नामक संगठन जैन धर्म से सम्बन्धित था। जैन धर्म के मूर्तिपूजक दिगम्बर समुदाय में भिक्षुओं और उनके अनुयायियों का एक समूह है जो स्वयं को प्रमुख मठवासी गुरुओं का वंशज मानते हैं।

4. (A) ● बुद्ध के जीवन की घटनाओं और सम्बद्ध स्थानों का सही सुमेल इस प्रकार है—

जन्म स्थान	—	लुम्बनी
ज्ञान प्राप्ति	—	बोधगया
प्रथम उपदेश	—	सारनाथ
निर्वाण प्राप्ति	—	कुशीनगर

H-1.4 अन्य धार्मिक आन्दोलन (भागवत, शैव, वैष्णव धर्म आदि)

1. (B) ● वैष्णववाद के प्रमुख समर्थकों में से एक के रूप में सम्मानित शंकरदेव असम भारतीय राज्य से संबंधित थे।
- श्रीमन्त शंकरदेव का जन्म असम के 'नौगाँव जिले की बरदौवा' के समीप अलिपुखुरी में हुआ।
- शंकरदेव के वैष्णव संप्रदाय के एक संत थे। जिनको पूर्वोत्तर भारत में वैष्णम व मत के प्रसार का श्रेय प्राप्त है इन्हें चेतन्य महाप्रभु का पूर्वगामी माना जाता है।

2. (D) ईश्वर के अस्तित्व के विश्वास में कमी या इन्कार अनीश्वरवाद कहलाता है। अनीश्वरवादी, एक ऐसा व्यक्ति है जो ईश्वर या किसी देवता के अस्तित्व में विश्वास नहीं करता है।

एकेश्वरवाद यह विश्वास है कि केवल एक ही ईश्वर है।

रहस्यवाद को लोकप्रिय रूप से ईश्वर या निरपेक्ष एक होने के रूप में जाना जाता है, लेकिन यह किसी भी प्रकार के परमानंद या चेतना की परिवर्तित अवस्था को संदर्भित कर सकता है जिसे धार्मिक या आध्यात्मिक अर्थ दिया जाता है।

अनेकेश्वरवाद कई देवताओं की पूजा में विश्वास है।

3. (A) ● गुरु ग्रन्थ साहब सिख धर्म का पवित्र ग्रन्थ है आदि ग्रंथ, जिसे ग्रंथ साहिब भी कहा जाता है, सिख धर्म का पवित्र ग्रंथ है। यह सिख गुरुओं (धार्मिक नेताओं) और विभिन्न धर्मों और जातियों के विभिन्न प्रारंभिक और मध्यकालीन संतों के लगभग 6,000 भजनों का संग्रह है।
- आदि ग्रंथ सभी गुरुद्वारों (सिख मंदिरों) में अरदास का केंद्रीय विषय है और इसे एक जीवित गुरु के रूप में सम्मान दिया जाता है। इसे विधिपूर्वक सुबह खोला जाता है। विशेष अवसरों पर इसका लगातार पाठ किया जाता है, जो 2 से 15 दिनों तक चलता है। सिख शहीदों की स्मृति में और गुरुओं की जयंती पर, ग्रंथ का जुलूस भी निकाला जाता है।
- ईसाई धर्म का पवित्र ग्रन्थ बाइबिल है।
- कुरान इस्लाम का पवित्र ग्रंथ है।
- कई लोगों द्वारा दुनिया के सबसे पुराने धर्मग्रन्थों को माना जाता है, वेद सबसे पवित्र हिंदू ग्रंथ हैं। प्राचीन संस्कृत में

लिखे गए वेद चार अलग–अलग कार्यों का संग्रह है।

H 1.5 मौर्य काल

1. (A) ● फाह्यान ने चन्द्रगुप्त द्वितीय के कार्यकाल में भारत का दौरा किया था। उसने 401 से 410 ई. तक भारत में निवास किया। वह 3 वर्ष पाटलिपुत्र में रहा और यहाँ रहते हुये संस्कृत का अध्ययन किया।

2. (B) ● कौटिल्य के अर्थशास्त्र में मौर्य प्रणाली के प्रशासन क्षेत्र का वर्णन करता है। कौटिल्य सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य (321-298 ई.) के गुरु और प्रधानमंत्री थे। उनके द्वारा रचित पुस्तक 'अर्थशास्त्र' में राज्य की प्रशासनिक एवं राजनीतिक गतिविधियों का वर्णन मिलता है।

❑❑

अध्याय

1 भारतीय दण्ड संहिता एवं अपराध संहिता

1. किसी मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी द्वारा _____ सहायता करने के लिए किसी व्यक्ति से यथोचित रूप से मांग करने पर प्रत्येक व्यक्ति उन्हें सहायता करने के लिए बाध्य है।
(A) इलाके का दौरा कर रहे किसी भी वी.आई. पी. की सेवा में
(B) अवैध रूप से निर्मित किसी भी सम्पत्ति को नष्ट करने में
(C) प्रवासियों को आवास की सुविधा प्रदान करने में
(D) शान्ति–भंग की रोकथाम में
[UPSI परीक्षा, 02-12-2021 (तृ.पा.)]

2. उपयुक्त सरकार, सामाजिक प्रभाव आकलन करने में छूट दे सकती है यदि भूमि को .....के तहत अत्यावश्यक प्रावधानों को लागू करते हुए अधिग्रहित करने का प्रस्ताव है।
(A) धारा 5
(B) धारा 10
(C) धारा 8
(D) धारा 40
[UPSI परीक्षा, 01-12-2021 (द्वि.पा.)]

3. दूसरों के जीवन को खतरे में डालने वाला जल्दबाजी वाला और तापरवाहीपूर्ण कार्य, जिसके परिणामस्वरूप किसी को नुकसान नहीं हुआ, ...है।
(A) अपराध नहीं (B) दंडनीय नहीं
(C) दंडनीय (D) क्षम्य
[UPSI परीक्षा, 01-12-2021 (द्वि.पा.)]

4. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का न्यायालय ....कारावास की सजा दे सकता है।
(A) अधिकतम तीन वर्ष के
(B) अधिकतम दो वर्ष के
(C) अधिकतम दस वर्ष के
(D) अधिकतम सात वर्ष के
[UPSI परीक्षा, 30-11-2021 (तृ.पा.)]

5. चोरी की सम्पत्ति में आदतन सौदा करने का अपराध _____ है।
(A) असंज्ञेय और गैर जमानती
(B) संज्ञेय और जमानती
(C) असंज्ञेय और जमानती
(D) संज्ञेय और गैर जमानती
[UPSI परीक्षा, 29-11-2021 (द्वि.पा.)]

6. जिला मजिस्ट्रेट, दण्ड प्रक्रिया संहिता (Cr.P.C.) की धारा _____ के तहत उपद्रव दूर करने के लिए सशर्त आदेश दे सकता है।
(A) 133 (B) 132
(C) 144 (D) 145
[UPSI परीक्षा, 29-11-2021 (तृ.पा.)]

7. भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988 के तहत नियुक्त विशेष न्यायाधीश, _____ द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करेंगे।
(A) नागरिक प्रक्रिया संहिता, 1906
(B) भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872
(C) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973
(D) भारतीय दण्ड संहिता, 1860
[UPSI परीक्षा, 29-11-2021 (तृ.पा.)]

8. _____ के मामले में भारतीय दण्ड संहिता की धारा 124A की संवैधानिक वैधता को सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने बरकरार रखा था।
(A) राम नन्दन **बनाम** राज्य
(B) एडीएम जबलपुर **बनाम** एस. शुक्ला
(C) केदार नाथ सिंह **बनाम** बिहार राज्य
(D) के.टी. मूपिल नायर **बनाम** केरल राज्य
[UPSI परीक्षा, 29-11-2021 (तृ.पा.)]

9. गलत वजन या माप के छलपूर्ण उपयोग के लिए आईपीसी में निर्धारित कारावास की अधिकतम सजा कितनी है ?
(A) 3 महीने (B) 1 वर्ष
(C) 3 वर्ष (D) 6 महीने
[UPSI परीक्षा, 28-11-2021 (द्वि.पा.)]

10. भारतीय दंड संहिता की धारा 303 को .....के मामले में असंवैधानिक घोषित कर दिया गया था।
(A) सगीर अहमद *बनाम* उत्तर प्रदेश राज्य
(B) मिठू *बनाम* पंजाब राज्य
(C) डी.के. बसु *बनाम* पश्चिम बंगाल राज्य
(D) सेल्वी *बनाम* कर्नाटक राज्य
[UPSI परीक्षा, 28-11-2021 (द्वि.पा.)]

11. संगरोध (क्वारंटाइन) नियम की अवज्ञा के लिए कारावास से दंडित किया जाएगा, जो कि..... ... महीने के कारावास तक बढ़ाया जा सकता है।
(A) 2 (B) 1
(C) 3 (D) 6
[UPSI परीक्षा, 28-11-2021 (तृ.पा.)]

12. जो कोई द्वेषभाव से किसी प्राणघातक रोग का संक्रमण फैलाता है, उसे कारावास की सजा दी जा सकती है, जो.....वर्ष तक बढ़ सकती है।
(A) 4 (B) 3
(C) 2 (D) 5
[UPSI परीक्षा, 27-11-2021 (प्र.पा.)]

13. प्रत्येक मामले में जिसमें आजीवन कारावास की सजा दी जाती है, उपयुक्त सरकार इस अवधि को ..... की अवधि में परिवर्तित कर सकती है।
(A) चौदह वर्ष से अधिक नहीं
(B) कम से कम सात वर्ष
(C) बीस वर्ष से कम नहीं
(D) दस वर्ष
[UPSI परीक्षा, 27-11-2021 (तृ.पा.)]

14. सी.आर.पी.सी. की धारा _____ के तहत एक कार्यकारी दण्डाधिकारी के पास किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करने की सत्ता होती है।
(A) 40 (B) 34
(C) 44 (D) 30
[UPSI परीक्षा, 25-11-2021 (प्र.पा.)]

15. भारतीय दंड संहिता की धारा 497 को भारत के संविधान के अनुच्छेद-21 का उल्लंघन मानते हुए, _____ के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इसे रद्द कर दिया।
(A) जोसेफ शाइन **बनाम** भारत संघ
(B) फहीमा शिरीन **बनाम** केरल राज्य
(C) शफीन जहां **बनाम** अशोकन के.एम.
(D) कॉमन कॉज एक पंजीकृत संस्था **बनाम** भारत संघ
[UPSI परीक्षा, 25-11-2021 (प्र.पा.)]

16. भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, वर्ष ..... में पारित किया गया था।
(A) 1955 (B) 1988
(C) 1986 (D) 1950
[UPSI परीक्षा, 25-11-2021 (तृ.पा.)]

17. दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत भरण–पोषण का आदेश ..... पर लागू नहीं होगा।
(A) पत्नी (B) व्यभिचारिणी पत्नी
(C) माता–पिता (D) बच्चे
[UPSI परीक्षा, 25-11-2021 (तृ.पा.)]

18. ''सभी मनुष्य स्वतंत्र पैदा होते हैं, और गरिमा और अधिकारों में समान होते हैं''। इसकी प्रत्याभूति (गारंटी).....के तहत दी गई थी।

(A) मानवाधिकारों का सार्वभौम घोषणा पत्र

(B) संयुक्त राष्ट्र चार्टर

(C) मानवाधिकार पर यूरोपीय सम्मेलन

(D) नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

[UPSI परीक्षा, 25-11-2021 (तृ.पा.)]

19. जो कोई भी स्वेच्छा से किसी भी स्थान पर माहौल को खराब करता है, उसे आईपीसी के तहत _____ से दण्डित किया जाता है।

(A) ₹ 500 तक के जुर्माने

(B) ₹ 1000 तक के जुर्माने

(C) 6 महीने तक की कैद

(D) 3 महीने तक की कैद

[UPSI परीक्षा, 24-11-2021 (प्र.पा.)]

20. गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के पलायन को रोकने के लिए उसे आवश्यक नियंत्रण से अधिक नियंत्रण के अधीन नहीं रखा जाएगा। यह प्रावधान ..... के अंतर्गत आता है।

(A) भारत के संविधान का अनुच्छेद 20(2)

(B) नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 की धारा 10

(C) दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 46

(D) दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 49

[UPSI परीक्षा, 24-11-2021 (तृ.पा.)]

21. जब कारावास की अवधि तीन महीने से कम हो, तब एकांत केन्द्र की सजा को क्रियान्वित करने में ऐसा कारावास किसी भी स्थिति में.....से अधिक नहीं होगा।।

(A) एक समय पर तीन दिन

(B) एक समय पर सात दिन

(C) एक समय पर चौदह दिन

(D) एक समय पर एक माह

[UPSI परीक्षा, 22-11-2021 (तृ.पा.)]

22. सी.आर.पी.सी.की धारा.....के तहत एक मजिस्ट्रेट (दण्डाधिकारी) से एक आपराधिक शिकायत की जा सकती है।

(A) 190 (B) 200

(C) 170 (D) 180

[UPSI परीक्षा, 21-11-2021 (तृ.पा.)]

23. पीड़ित प्रतिकर स्कीम, आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 के प्रावधानों के तहत बनाई गई थी जो अपराध पीड़ितों के कल्याण और पुनर्वास के लिए थी। यह दंड के.....सिद्धान्त का एक प्रकार है।

(A) क्षतिपूर्ति (B) निवारणार्थ

(C) निवारक (D) प्रतिकारात्मक

[UPSI परीक्षा, 20-11-2021 (द्वि.पा.)]

24. यदि डकैती सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच राजमार्ग पर की जाती है, तो आईपीसी के तहत डकैती की सजा.....है।

(A) 10 सालों तक के लिए साधारण कारावास

(B) 14 सालों तक के लिए साधारण कारावास

(C) 14 सालों तक के लिए कठोर कारावास

(D) 10 सालों तक के लिए कठोर कारावास

[UPSI परीक्षा, 17-11-2021 (तृ.पा.)]

25. स्वेच्छा से एसिड फेंकना या फेंकने का प्रयास करना, भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा .....के तहत एक दंडनीय अपराध है।

(A) धारा 228-A (B) धारा 326-A

(C) धारा 376-A (D) धारा 292-B

[UPSI परीक्षा, 16-11-2021 (द्वि.पा.)]

26. वह रूपरेखा जो यह दर्शाती है कि अदालत में सबूत के रूप में प्रस्तुत करने के लिए सबूतों को एकत्र, विश्लेषित और संरक्षित कैसे किया गया था। इसे.....कहा जाता है।

(A) लिंक विश्लेषण

(B) डेटा क्लोनिंग

(C) कालानुक्रमिक प्रलेखन (चेन ऑफ कस्टर्ड)

(D) पुनरावर्ती खोज

[UPSI परीक्षा, 16-11-2021 (तृ.पा.)]

27. दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 156(3) के तहत प्रत्यक्ष जाँच की शक्ति का उपयोग.....द्वारा किया जा सकता है।

(A) एक मजिस्ट्रेट

(B) सर्वोच्च न्यायालय

(C) एक सत्र न्यायाधीश

(D) उच्च न्यायालय

[UPSI परीक्षा, 15-11-2021 (द्वि.पा.)]

28. सामान्य परिस्थितियों में निरुद्ध किये गये एक व्यक्ति को.....दिनों में सूचित किया जाना चाहिए कि किस आधार पर आदेश दिया गया है।

(A) 4 (B) 5

(C) 2 (D) 3

[UPSI परीक्षा, 15-11-2021 (तृ.पा.)]

29. जब.....व्यक्ति संयुक्त रूप से चोरी करते हैं, तब आईपीसी के तहत इसे ..... डकैती की घटना मानी जाती है।

(A) 3 या अधिक (B) 5 या अधिक

(C) 4 या अधिक (D) 7 या अधिक

[UPSI परीक्षा, 15-11-2021 (तृ.पा.)]

30. भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की निम्नलिखित में से कौन–सी धारा अपराध 'राजद्रोह' को परिभाषित करती है?

(A) धारा 171B (B) धारा 268

(C) धारा 229A (D) धारा 124A

[UPSI परीक्षा, 12-11-2021 (तृ.पा.)]

31. ''लोक सेवक'' शब्द की परिभाषा, भारतीय दंड संहिता, 1860 की.....के तहत की गई है।

(A) धारा 17 (B) धारा 24

(C) धारा 21 (D) धारा 32

[UPSI परीक्षा, 16-11-2021 (तृ.पा.)]

32. सीआर.पी.सी. की धारा 50-A के तहत, अधिनियम के तहत किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी और परिरोध के स्थान के बारे में ..... को सूचित किया जाना चाहिए।

(a) उसके किसी मित्र

(b) रिश्तेदारों

(c) गिरफ्तार व्यक्ति द्वारा बताए गए या नामांकित व्यक्ति

(A) a या b या c (B) b या c

(C) b और c (D) a, b और c

[UPSI परीक्षा, 27-11-2021 (द्वि.पा.)]

33. यदि कोई लोक सेवक अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति की प्रथम सूचना रिपोर्ट (F.I.R.), दर्ज करने में विफल रहता है, तो ऐसे लोक सेवक को एक अवधि तक का कारावास हो सकता है जो _____ तक बढ़ सकता है।

(A) 7 वर्ष (B) 3 वर्ष

(C) 1 वर्ष (D) 2 वर्ष

[UPSI परीक्षा, 24-11-2021 (प्र.पा.)]

34. पुलिस द्वारा तैयार किये जाने वाले लिखित दस्तावेज एफ.आई.आर. (FIR) का पूर्ण रूप क्या है?

(A) फर्स्ट इन्क्वायरी रिपोर्ट

(B) फर्स्ट इन्वेस्टीगेशन रिपोर्ट

(C) फर्स्ट इन्टेरोगेशन रिपोर्ट

(D) फर्स्ट इन्फॉर्मेशन रिपोर्ट

[UPSI परीक्षा, 20-11-2021 (तृ.पा.)]

35. भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने, ... के मामले में भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 497 को हटाते हुए, व्यभिचार को अपराध मुक्त किया।

(A) फ़ज़ल रब चौधरी *बनाम* बिहार राज्य

(B) जोसेफ शाइन *बनाम* भारत संघ

(C) नंदिनी सुंदर *बनाम* छत्तीसगढ़ राज्य

(D) नितिन वालिया *बनाम* भारत संघ

[UPSI परीक्षा, 02-12-2021 (प्र.पा.)]

36. एक पुलिस अधिकारी ने एक लड़की को जमानत का आदेश प्रस्तुत करने के बाद भी गिरफ्तार किया और हवालात में निरुद्ध किया। पुलिस अधिकारी .....का दोषी होगा।

(A) अपगमन

(B) अनधिकृत कारावास

(C) धमकी

(D) अपहरण

[UPSI परीक्षा, 02-12-2021 (प्र.पा.)]

37. प्रतिरूपण द्वारा धोखा देने का अपराध ..... है।

(A) असंज्ञेय और जमानती

(B) असंज्ञोय और गैर–जमानती

(C) संज्ञेय और गैर–जमानती

(D) संज्ञेय और जमानती

[UPSI परीक्षा, 01-12-2021 (प्र.पा.)]

38. एक मामला, जिसमें उस समय लागू किसी भी कानून के तहत एक पुलिस अधिकारी वॉरंट के बिना गिरफ्तारी कर सकता है, उसे ..... कहा जाता है।

(A) सामन्स मामला

(B) वॉरंट मामला

(C) पहली अनुसूची का मामला

(D) संज्ञेय मामला

[UPSI परीक्षा, 30-11-2021 (द्वि.पा.)]

39. सजा की अवधि की समय–सीमाओं की गणना में, आजीवन कारावास को ..... के बराबर माना जाएगा।

(A) पच्चीस वर्ष का कारावास

(B) बीस वर्ष का कारावास

(C) पंद्रह वर्ष का कारावास

(D) दस वर्ष का कारावास

[UPSI परीक्षा, 29-11-2021 (प्र.पा.)]

40. किसी भी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने के उद्देश्य से जालसाजी का अपराध ..... होता है।

(A) असंज्ञेय और गैर–जमानती

(B) संक्षेय और गैर–जमानती

(C) संज्ञेय और जमानती

(D) असंज्ञेय और जमानती

[UPSI परीक्षा, 28-11-2021 (प्र.पा.)]

41. निम्नलिखित में से कौन–सा एक अपराध है, जिसे चार चरणों में दण्डनीय माना गया है?

(A) लूटमार (B) बलात्कार

(C) हत्या (D) डैकती

[UPSI परीक्षा, 23-11-2021 (प्र.पा.)]

42. दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा.....के तहत सार्वजनिक उपद्रव हटाने के लिए आदेश पारित करने का अधिकार मैजिस्ट्रेट को प्राप्त है।

(A) धारा 125 (B) धारा 313

(C) धारा 437 (D) धारा 133

[UPSI परीक्षा, 22-11-2021 (प्र.पा.)]

43. जानबूझकर अपराध करने के लिए व्यक्ति की मदद करने के कार्य को.....कहा जाता है।

(A) जानबूझकर दुर्व्यपदेशन

(B) दूसरी डिग्री का अपराध

(C) तीसरी डिग्री का अपराध

(D) दुष्प्रेरण

[UPSI परीक्षा, 21-11-2021 (प्र.पा.)]

44. जो कोई भी ..... से कम आयु के पुरुष को बहकाता है, उसे अपहरण करने वाला कहा जाता है।

(A) 18 (B) 17

(C) 15 (D) 16

[UPSI परीक्षा, 20-11-2021 (प्र.पा.)]

45. विशेष परिस्थितियों में, निरुद्ध के किए गए एक व्यक्ति को ..... दिनों में यह सूचित किया जाना चाहिए कि उसे निरुद्ध किए जाने के आदेश के आधार क्या हैं?

(A) 20 (B) 15

(C) 30 (D) 10

[UPSI परीक्षा, 17-11-2021 (प्र.पा.)]

46. दण्ड प्रक्रिया संहिता (सी.आर.पी.सी.) की निम्नलिखित धाराओं से कौन–सी धारा पीड़ित मुआवजा योजना से संबंधित है?

(A) धारा 437A (B) धारा 280A

(C) धारा 287D (D) धारा 357A

[UPSI परीक्षा, 16-11-2021 (प्र.पा.)]

47. आईपीसी के अनुसार एक ठग को ..... का दंड दिया जाएगा।

(A) जुर्माने

(B) 3 महीने तक की कैद

(C) आजीवन कारावास और जुर्माने

(D) 6 महिने तक की कैद

[UPSI परीक्षा, 15-11-2021 (प्र.पा.)]

48. सी.आर.पी.सी. की धारा ..... के अनुसार, एक थाने के प्रभारी अधिकारी का कर्तव्य मौखिक रूप से दी गई प्रत्येक जानकारी का रिकॉर्ड रखना तथा एफ.आई.आर. तैयार करना।

(A) 154 (B) 134

(C) 174 (D) 164

[UPSI परीक्षा, 12-11-2021 (द्वि.पा.)]

49. भारतीय दंड संहिता की धारा 307 निम्नलिखित में से किस अपराध से संबंधित है?

(A) चोरी

(B) बलात्कार

(C) दंगा

(D) हत्या का प्रयास

[UPSI परीक्षा, 02-12-2021 (प्र.पा.)]

50. दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की निम्नलिखित में से कौन-सी धारा ''पुलिस द्वारा गवाहों की तहकीकात'' से संबंधित है?

(A) सीआरपीसी की धारा 96

(B) सीआरपीसी की धारा 38

(C) सीआरपीसी की धारा 14

(D) सीआरपीसी की धारा 161

[UPSI परीक्षा, 01-12-2021 (द्वि.पा.)]

51. पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना को शामिल कर .... का भाग बनाया गया है।

(A) दण्ड प्रक्रिया संहिता

(B) सिविल प्रक्रिया

(C) भारतीय दंड संहिता

(D) भारतीय साक्ष्य अधिनियम

[UPSI परीक्षा, 29-11-2021 (तृ.पा.)]

52. निम्नलिखित में से अपराधी को कौन–सा दंड देने के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा सिद्धान्त 'रेयरेस्ट ऑफ द रेयर' की स्थापना की गई थी?

(A) रासायनिक बधियाकरण

(B) एकान्त कारावास

(C) आजीवन कारावास

(D) मृत्यु दंड

[UPSI परीक्षा, 28-11-2021 (द्वि.पा.)]

53. भारतीय दंड संहिता की निम्नलिखित में से कौन–सी धारा "शरीर की निजी प्रतिरक्षा के अधिकार का विस्तार किसी की मृत्यु कारित करने तक होता है" से संबंधित है ?

(A) IPC 100 (B) IPC 498A

(C) IPC 72 (D) IPC 304 B

[UPSI परीक्षा, 27-11-2021 (प्र.पा.)]

54. प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ.आई.आर.) दाखिल करने की प्रक्रिया दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की निम्नलिखित में से किस धारा में निर्धारित है?

(A) 173, दंड प्रक्रिया संहिता

(B) 197, दंड प्रक्रिया संहिता

(C) 154 दंड प्रक्रिया संहिता

(D) 163, दंड प्रक्रिया संहिता

[UPSI परीक्षा, 27-11-2021 (द्वि.पा.)]

55. भारतीय दंड संहिता की निम्नलिखित में से कौन–सी धारा 'दहेज हत्या' को परिभाषित करती है?

(A) भारतीय दंड संहिता की 120-B

(B) भारतीय दंड संहिता की 427

(C) भारतीय दंड संहिता की 130

(D) भारतीय दंड संहिता की 304-B

[UPSI परीक्षा, 27-11-2021 (द्वि.पा.)]

56. भारतीय दंड संहिता की निम्नलिखित में से कौन–सी धारा, महिलाओं के प्रति क्रूरता के संदर्भ में 'क्रूरता' शब्द की व्याख्या करती है ?

(A) भारतीय दंड संहिता की 186

(B) भारतीय दंड संहिता की 260-B

(C) भारतीय दंड संहिता की 498-A

(D) भारतीय दंड संहिता की 129-B

[UPSI परीक्षा, 25-11-2021 (प्र.पा.)]

57. ''जाँच अधिकारी का पहला कदम केस डायरी में दर्ज करना होना चाहिए'', यह दंड प्रक्रिया संहिता की किस धारा में उल्लिखित है?

(A) धारा 172 (B) धारा 201

(C) धारा 198 (D) धारा 163

[UPSI परीक्षा, 25-11-2021 (प्र.पा.)]

58. जेल प्रशासन में सजा में कमी को ..... कहा जाता है।
(A) अस्थायी छुट्टी (B) पैरोल
(C) माफी (D) असामयिक रिहाई
[UPSI परीक्षा, 25-11-2021 (द्वि.पा.)]

59. निम्नलिखित में से कौन–सा, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत मृत्युदंड योग्य अपराध नहीं है ?
(A) दहेज हत्या
(B) बच्चे को आत्महत्या के लिए उकसाना
(C) हत्या के साथ डकैती
(D) भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध छेड़ना
[UPSI परीक्षा, 24-11-2021 (तृ.पा.)]

60. भारतीय दंड संहिता की निम्नलिखित में से कौन–सी धारा बलात्कार के लिए सजा का प्रावधान करती है?
(A) धारा 376 IPC (B) धारा 147, IPC
(C) धारा 140, IPC (D) धारा 144, IPC
[UPSI परीक्षा, 21-11-2021 (द्वि.पा.)]

61. "दहेज हत्या" को भारतीय दंड संहिता की निम्नलिखित में से किस धारा में परिभाषित किया गया है?
(A) IPC की धारा 309–C
(B) IPC की धारा 123–F
(C) IPC की धारा 104–D
(D) IPC की धारा 304–B
[UPSI परीक्षा, 20-11-2021 (द्वि.पा.)]

62. दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की निम्नलिखित में से कौन–सी धारा "स्वीकारोक्ति और बयानों की रिकॉर्डिंग" से सम्बन्धित है?
(A) सीआर.पी.सी. की धारा 178
(B) सीआर.पी.सी. की धारा 134
(C) सी.आर.पी.सी. की धारा 164
(D) सी.आर.पी.सी. की धारा 109
[UPSI परीक्षा, 20-11-2021 (द्वि.पा.)]

63. ''पुलिस अधिकारी द्वारा जाँच पूरी होने पर अदालत को प्रस्तुत किया जाने वाला अंतिम फॉर्म/रिपोर्ट'' (IF5) दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की निम्नलिखित में से किस धारा के अंतर्गत आता है?
(A) दंड प्रक्रिया संहिता 179
(B) दंड प्रक्रिया संहिता 182
(C) दंड प्रक्रिया संहिता 173
(D) दंड प्रक्रिया संहिता 193
[UPSI परीक्षा, 20-11-2021 (तृ.पा.)]

64. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की, निम्नलिखित में से किस धारा के तहत, गिरफ्तारी/न्यायालय में आत्मसमर्पण ज्ञापन आवश्यकताओं को पूरा करता है?
(A) 107 सी.आर.पी.सी.
(B) 95 सी.आर.पी.सी.
(C) 67 सी.आर.पी.सी.
(D) 58 सी.आर.पी.सी.
[UPSI परीक्षा, 14-11-2021 (तृ.पा.)]

65. पुलिस प्रणाली में, FIR का पूर्ण रूप क्या है?
(A) फर्स्ट इनफार्मेशन रिपोर्ट
(B) फॉर्मल आइडेंटिफिकेशन रिपोर्ट
(C) फर्स्ट इनवेस्टिगेटिव रिपोर्ट
(D) फर्स्ट इंडियन रीजन
[UPSI परीक्षा, 13-11-2021 (तृ.पा.)]

66. भारतीय दंड संहिता की धारा 307 निम्नलिखित में से किस अपराध से संबंधित है?
(A) चोरी (B) बलात्कार
(C) दंगा (D) हत्या का प्रयास
[UPSI परीक्षा, 02-12-2021 (प्र.पा.)]

67. "भारत में अपराध" रिपोर्ट ..... द्वारा जारी होती है।
(A) राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय
(B) भारत की जनगणना
(C) राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो
(D) भारत का आर्थिक सर्वेक्षण
[UPSI परीक्षा, 22-11-2021 (द्वि.पा.)]

68. सी.आर.पी.सी. की धारा 145 के तहत, एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट (दण्डाधिकारी), पक्षों का एक विवादित अचल संपत्ति के सदंर्भ में अपना दावा लिख कर प्रस्तुत करने का आदेश दे सकता है .....।
(a) यदि विवाद के कारण शांति भंग होने की संभावना है
(b) यदि विवाद में एक संयुक्त परिवार शामिलहैं
(c) यदि विवाद पारंपरिक अधिकारों से संबंधित है
(A) (b)
(B) (b) और (c)
(C) (a)
(D) (a), (b) और (c)
[UPSI परीक्षा, 17-11-2021 (प्र.पा.)]

69. पुलिस विभाग में अपराध पंजीकरण प्रक्रिया 'FIR/एफ.आई.आर.' का पूर्ण रूप क्या है?
(A) फाइनल इनफॉर्मेशन रिपोर्ट
(B) फोर्स इनफॉर्मेशन रजिस्टर
(C) फर्स्ट इनफॉर्मेशन रिपोर्ट
(D) फॉर्मल इनफॉर्मेशन रिपोर्ट
[UPSI परीक्षा, 29-11-2021 (द्वि.पा.)]

70. सी.आर.पी.सी. 'धारा 157' के तहत, एफ.आई.आर. की मूल प्रति बिना विलंब किए ..... को भेजी जानी चाहिए।
(A) पुलिस आयुक्त
(B) मुख्य सचिव
(C) अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक
(D) न्यायाधिकार प्राप्त दंडाधिकारी
[UPSI परीक्षा, 22-11-2021 (तृ.पा.)]

71. ''गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को उससे अधिक अवरुद्ध नहीं किया जाएगा, जितना उसको भगाने से रोकने के लिए आवश्यक है'', यह निम्नलिखित में से किस धारा के अन्तर्गत आता है?
(A) सीआरपीसी की धारा 87
(B) सीआरपीसी की धारा 56
(C) सीआरपीसी की धारा 94
(D) सीआरपीसी की धारा 49
[UPSI परीक्षा, 16-11-2021 (द्वि.पा.)]

72. भारतीय दंड संहिता की धारा 24 के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति किसी एक व्यक्ति को गलत तरीके से लाभ पहुँचाने या किसी अन्य व्यक्ति को गलत तरीके से हानि पहुँचाने के इरादे से कुछ भी करता है, तो उसे किस इरादे से करना कहा जाता है ?
(A) अननुमोदन के (B) संज्ञान के
(C) बेईमानी के (D) कलह के
[UPSI Batch-3, 22 Dec, 2017]

73. भारतीय दण्ड संहिता (आईपीसी) की धारा 53 किस विषय के सम्बन्ध में है ?
(A) आपराधिक साजिश
(B) बहकाव
(C) सामान्य अपवाद
(D) दण्ड
[UPSI Batch-1, 16 Dec, 2017]

74. भारतीय दंड संहिता वर्ष 1860 में लॉर्ड मैकाले द्वारा प्रारूपित संहिता का संशोधित संस्करण है। इनमें से किन देशों की दंड संहिता उसी प्रारूप पर आधारित हैं ?
(a) सिंगापुर (b) ब्रुनेई
(c) श्रीलंका
(A) a, b और c (B) a और b
(C) a और c (D) b और c
[UPSI Batch-3, 13 Dec, 2017]

75. भारतीय दण्ड संहिता के अनुसार निम्नलिखित निष्कर्ष में से कौन–सा सही होगा ?
(i) A एक छड़ी से Z को पचास बार मारता है। यदि एक प्रहार के लिए 1 साल की सजा है, तो A को सजा के रूप में 50 साल का कारावास होगा।
(ii) जब A, Z को मार रहा है, तो Y हस्तक्षेप करता है और A जानबूझकर Y को भी मारता है। A, Z को स्वेच्छा से चोट पहुँचाने के लिए एक सजा के लिए और Y मारने के लिए एक अन्य सजा के लिए उत्तरदायी है।
(A) (i) और (ii) दोनों
(B) केवल (i)
(C) केवल (ii)
(D) (i) और (ii) दोनों में से कोई नहीं
[UPSI Batch-2, 13 Dec, 2017]

76. भारतीय दंड संहिता की धारा 405-409 किस विषय से संबंधित है ?
(A) आपराधिक न्यास भंग
(B) शरारत
(C) जबरन वसूली
(D) छल
[UPSI Batch-1, 14 Dec, 2017]

77. भारतीय दंड संहिता की धारा 415-420 का संबंध किससे है ?
(A) शरारत
(B) आपराधिक विश्वा भंग
(C) धोखाधड़ी
(D) जबरन वसूली
[UPSI Batch-2, 14 Dec, 2017]

78. भारतीय दण्ड संहिता के अनुसार निम्नलिखित में से कौन–सा निष्कर्ष सही है ?
(i) A, B के साथ मनोरंजन हेतु मुक्केबाजी करने के लिए राजी हो जाता है। मुक्केबाजी के दौरान, A बिना किसी बुरी मंशा से, B को बुरी तरह घायल कर देता है। A ने अपराध किया है।
(ii) P एक मादक पदार्थ के प्रभाव में था जो उसने अपनी मर्जी से लिया था। उस मादक पदार्थ के नशे में, यह ना समझकर कि उसके हाथों क्या हो रहा है, P ने Q की हत्या कर दी। P ने कोई अपराध नहीं किया है।
(A) (i) और (ii) दोनों
(B) केवल (ii)
(C) (i) और (ii) दोनों ही नहीं
(D) केवल (i)
[UPSI Batch-3, 14 Dec, 2017]

79. भारतीय दंड संहिता के किस अनुभाग में यह कहा गया है "सजा की शर्तों के अंश में जीवन के लिए कारावास को बीस साल के लिए कारावास के बराबर माना जाएगा"–
(A) धारा 57 (B) धारा 63
(C) धारा 51 (D) धारा 47
[UPSI Batch-1, 15 Dec, 2017]

80. भारतीय दंड संहिता के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन–सा वक्तव्य सही है ?
(a) भारतीय दंड संहिता की एक धारा यह कहती है कि किसी 'अपराध' को करने के लिए "केवल राजी हो जाना" ही अभियुक्त को दंड देने के लिए पर्याप्त है।
(b) भारतीय दंड संहिता की एक धारा यह कहती है कि आत्महत्या की कोशिश एक अपराध है।
(A) केवल a
(B) a और b दोनों ही नहीं
(C) a और b दोनों
(D) केवल b
[UPSI Batch-2, 15 Dec, 2017]

81. भारतीय दंड संहिता की धारा 307 का संबंध निम्न में से किससे है ?
(A) खतरनाक हथियारों का उपयोग कर स्वेच्छा से चोट पहुँचाना
(B) हत्या का प्रयास
(C) अप्राकृतिक अपराध
(D) अनुचित निरोध और अनुचित बंधन
[UPSI Batch-3, 15 Dec, 2017]

82. भारतीय दंड संहिता के अनुसार निम्न में से कौन–सा निष्कर्ष सही है ?
(i) 6 वर्ष के एक बच्चे, A ने बहुत सारी मारधाड़ की फिल्में देखी हैं। एक दिन वह बच्चे B को जोर से धक्का दे देता है जिसकी वजह से वह बच्चा बुरी तरह से घायल हो जाता है। A ने कोई अपराध नहीं किया है।
(ii) Q ने P को बिना बताए एक नशीला पदार्थ खिला दिया। उस नशीले पदार्थ के प्रभाव में, यह न जानते हुए कि उसके हाथों क्या हो रहा है, P ने R की हत्या कर दी। P ने कोई अपराध नहीं किया है।
(A) केवल (i)
(B) (i) और (ii) दोनों
(C) केवल (ii)
(D) (i) और (ii) दोनों ही नहीं
[UPSI Batch-3, 12 Dec, 2017]

83. ..... मामला द्विविवाह के अपराध, निजता के कानूनों और देश में समान नागरिक संहिता के लिए अत्यधिक आवश्यकता के बीच टकराव से संबंधित है। अदालत ने यह माना कि इस्लाम में परिवर्तित होने के बाद एक हिंदू आदमी की दूसरी शादी अमान्य होगी, अगर पहली शादी भंग नहीं हुई है।
(A) समथा, आंध्र प्रदेश राज्य
(B) लिली थॉमस *बनाम* भारत संघ
(C) श्रेया सिंघम *बनाम* भारत संघ
(D) सरला मुदगल *बनाम* भारत संघ
[UPSI Batch-2, 21 Dec, 2017]

84. इनमें से कौन–से अपराध के मूलभूत तत्व हैं ?
(P) इंसान द्वारा किए गए
(Q) आपराधिक इरादा
(R) कोई अवैध कार्य या चूक
(S) किसी अन्य व्यक्ति के शरीर, मन, प्रतिष्ठा या सम्पत्ति को चोट पहुँचाना
(A) P, Q, R और S सभी
(B) केवल P और Q
(C) केवल P, Q और S
(D) केवल P और R
[UPSI Batch-1, 19 Dec, 2017]

85. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 304 B के अंतर्गत, "दहेज मौत" के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को न्यूनतम कितने वर्ष की सजा देने का प्रावधान है ?
(A) 3 वर्ष (B) 7 वर्ष
(C) 5 वर्ष (D) 12 वर्ष
[UPSI Batch-2, 16 Dec, 2017]

86. भारतीय दंड संहिता की धारा 377..... के विषय में है।
(A) सदोष अवरोध तथा सदोष परिरोध
(B) अप्राकृतिक अपराध
(C) हत्या का प्रयास
(D) खतरनाक हथियारों का उपयोग कर, स्वेच्छा से चोट पहुँचाने
[UPSI Batch-3, 16 Dec, 2017]

87. मामला भारतीय अदालत में दायर किया गया एक निर्वाह व्यय से संबंधित मुकदमा था। इस मामले में 62 वर्षीय मुस्लिम महिला को उसके पति ने 1978 में तलाक दे दिया था। उसने अपने बच्चों के भरण–पोषण के लिए धन माँगा और उच्चतम न्यायालय में मुकदमा जीत भी लिया, परन्तु उसे निर्वाह व्यय नहीं दिया गया, क्योंकि उसी दरमियान देश के कानूनों में बदलाव कर दिये गये थे।
(A) शायरा बानो (B) शबनम हाशमी
(C) शाह बानो (D) आयेशा बीबी
[UPSI Batch-3, 16 Dec, 2017]

88. दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 2 (x) के अनुसार वारंट मामला वह होता है, जो एक ऐसे अपराध से सम्बन्धित है, जिसकी सज़ा मृत्युदण्ड, आजीवन कारावास अथवा ..... वर्षों से अधिक अवधि का कारावास हो सकता है।
(A) दस (B) दो
(C) तीन (D) सात
[UPSI Batch-2, 19 Dec, 2017]

89. भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 146 के अनुसार, जब भी गैर–कानूनी जनसमूह द्वारा या उसके किसी भी सदस्य द्वारा बल या हिंसा का प्रयोग किया जाता है, ऐसे जनसमूह के आम उद्देश्य के अभियोजन में, तो ऐसे जनसमूह का हर सदस्य ..... के अपराध का दोषी होता है।
(A) विद्रोह (राजद्रोह) (B) बलवा
(C) आतंक (D) पीछा करने
[UPSI Batch-3, 29 Dec, 2017]

90. भारतीय दण्ड संहिता के अनुसार इनमें से किन अपराधों के लिए मृत्युदण्ड दिया जा सकता है ?
(a) धारा 121 : भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध घोषणा
(b) धारा 364A : फिरौती के लिए व्यपहरण

(A) a और b दोनों
(B) केवल a
(C) केवल b
(D) a और b दोनों ही नहीं

[UPSI Batch-1, 22 Dec, 2017]

91. भारतीय दंड संहिता की धारा 375 और 376 ..... के विषय में है।
(A) हत्या करने का प्रयास
(B) बलात्कार सहित दूसरे यौन अपराध
(C) अप्राकृतिक अपराध
(D) खतरनाक हथियारों का उपयोग कर, स्वेच्छा से चोट पहुँचाना

[UPSI Batch-2, 22 Dec, 2017]

92. निम्न अपराधों में से किस अपराध के लिए भारतीय दण्ड संहिता के तहत मृत्यु दण्ड सम्भावित है ?
(a) धारा 122 : भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध छेड़ने के उद्देश्य से हथियार जमा करना, लोग इत्यादि जुटाना
(b) 194 : ऐसे झूठे सबूत गढ़ना या पेश करना जिससे किसी व्यक्ति को मृत्युदण्ड हो सके (जिनकी वजह से किसी निर्दोष व्यक्ति को अपराधी ठहरा कर उसे मृत्युदण्ड दे दिया जाए)
(A) सिर्फ (a)
(B) (a) और (b), दोनों ही नहीं
(C) सिर्फ (b)
(D) (a) और (b) दोनों

[UPSI Batch-1, 20 Dec, 2017]

93. राज्यसभा ने 8 अगस्त, 2016 को 'मानसिक स्वास्थ्य सेवा विधेयक' को पारित करके कौन-से कृत्य को अपराध श्रेणी से अलग कर दिया ?
(A) विद्युत–आक्षेपात्मक चिकित्सा
(B) आत्महत्या के प्रयास का अपराध
(C) स्टेरॉयड, माँसपेशी शिथिलक और संज्ञा-हरण का उपयोग
(D) विक्षिप्त मानसिकता वाले व्यक्ति द्वारा अपराध

[UPSI Batch-2, 20 Dec, 2017]

94. राम ने एक अपराध किया जिसके लिए सजा सिर्फ ₹ 40 का जुर्माना था, लेकिन वह इस राशि का भुगतान नहीं कर सका। फिर, आईपीसी की धारा 67 के अनुसार; उसे भुगतान न करने के लिए अधिकतम ..... महीने तक के लिए कैद किया जा सकता है।
(A) 4 (B) 6
(C) 2 (D) 1

[UPSI Batch-3, 20 Dec, 2017]

95. किसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय दण्ड संहिता (आईपीसी) की धारा 303 को रद्द कर दिया था, जिसके अनुसार एक आजीवन कैदी द्वारा की गई हत्या के लिए उसे अनिवार्य मृत्यु–दण्ड दिया जाना चाहिए ?
(A) पी.ए. इनामदार *बनाम* महाराष्ट्र राज्य
(B) मिट्ठू *बनाम* पंजाब राज्य
(C) ए.डी.एम. जबलपुर *बनाम* एस शुक्ला
(D) श्रेया सिंघल *बनाम* भारत संघ

[UPSI Batch-3, 20 Dec, 2017]

96. भारतीय दंड संहिता का कौन–सा अध्याय "वातावरण को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बनाने" के लिए जुर्माने से संबंधित है ?
(A) अध्याय XIV (B) अध्याय XXIV
(C) अध्याय XXVII (D) अध्याय XVI

[UPSI Batch-1, 21 Dec, 2017]

97. जब लोग सार्वजनिक स्थान पर लड़ते हुए, सार्वजनिक शांति को भंग करते हैं, तो उसे 'बलवा करना' कहा जाता है। न्यूनतम कितने लोगों के होने पर ऐसी स्थिति को बलवा करना कहा जाएगा ?
(A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 2

[UPSI Batch-1, 21 Dec, 2017]

व्याख्यात्मक हल

1. (D) किसी मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी द्वारा शन्ति–भंग की रोकथाम में सहायता करने के लिए किसी व्यक्ति से यथोचित रूप से मांग करने पर प्रत्येक व्यक्ति उन्हें सहायता करने के लिए बाध्य है।

2. (D) विकल्प (D) सही होगा।
सक्षम सरकार, सामाजिक प्रभाव आकलन करने में छूट दे सकती है यदि भूमि को धारा (40) के तहत अत्यावश्यक प्रावधानों को लागू करते हुए अधिग्रहित करने का प्रस्ताव है।

3. (C) दूसरों के जीवन को खतरे में डालने वाला, जल्दबाजी वाला और लापरवाही पूर्ण कार्य जिसके फलस्वरूप भले ही किसी को नुकसान न हुआ हो, तो भी वह दण्डनीय है।

4. (D) विकल्प (D) सही होगा।
मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का न्यायालय अधिकतम सात वर्ष के कारावास की सजा दे सकता है। इससे अधिक सजा के प्रावधान वाले मामले सत्र–न्यायालय में सुने जाते हैं।

5. (D) चोरी की सम्पत्ति में आपतन सौदा करने का अपराध संज्ञेय और गैर जमानती है। भारतीय दण्ड संहिता की धारा 143 के अनुसार ऐसे अपराध के लिए 10 साल के लिए कारावास का प्रावधान है।

6. (A) जिला मजिस्ट्रेट, दण्ड प्रक्रिया संहिता (C.R.P.C.) की धारा-133) के तहत उपद्रव दूर करने के लिए सशर्त आदेश दे सकता है।
दण्ड प्रक्रिया संहिता धारा-(132)–अन्य मामले में राज्य सरकार की मंजूरी के बिना संस्थित नहीं किया जाएगा।
दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-(144)–कार्यकारी मजिस्ट्रेट को एक क्षेत्र में चार या अधिक लोगों की सभा को प्रतिबन्धित करने का आदेश जारी करने को अधिकृत करती है।
दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-(145)–वह प्रक्रिया है जहाँ भूमि या जल से सम्बद्ध विवादों से परिशान्ति भंग होना है।

7. (C) भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988 के तहत नियुक्त विशेष न्यायाधीश दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करेंगे। एक व्यक्ति इस अधिनियम के तहत एक विशेष न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए तब तक योग्य नहीं होगा, जब तक कि वह सत्र न्यायाधीश या अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश या दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के तहत एक सहायक सत्र न्यायाधीश न रहा हो।

8. (C) केदारनाथ सिंह **बनाम** बिहार राज्य (1962) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने धारा 124 (A) को बनाए रखा, पर कोर्ट ने इस धारा की सीमा तय कर दी। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि सिर्फ सरकार की आलोचना करना राजद्रोह नहीं माना जा सकता।
एडीम जबलपुर **बनाम** शिवकांत शुक्ल (1976) मामला बहुमत से मौलिक अधिकारों को निलम्बित करने के पक्ष में फैसला है।
के.टी. भूपिल नायर **बनाम** केरल राज्य समानता के अधिकार अनुच्छेद-14 से सम्बन्धित है।

9. (B) भारतीय दंड संहिता की धारा 265 के अधीन किसी व्यक्ति द्वारा गलत वजन या माप के छलपूर्ण प्रयोग के लिए अधिकतम 1 वर्ष का कारावास का प्रावधान है।

10. (B) विकल्प (B) सही होगा।
भारतीय दंड संहिता की धारा 303 को मिठू *बनाम* पंजाब राज्य के मामले में असंवैधानिक घोषित कर दिया गया था।
- जस्टिस डी.के. बसु *बनाम* पश्चिम बंगाल राज्य के निर्णय में कहा गया कि गिरफ्तारी करते समय आवश्यक विशिष्ट दिशा निर्देश का पालन करना अनिवार्य है।
- सेल्वी *बनाम* कर्नाटक राज्य मामले में उच्चतम न्यायालय ने कहा कि किसी मामले की जाँच में आरोपी से फिंगर और फुट प्रिंट माँगना किसी भी तरह से नागरिक अधिकारों का हनन नहीं है।

11. (D)
- संगरोध नियम की अवज्ञा के लिए कारावास से दंडित किया जाएगा, जोकि 6 माह के कारावास तक बढ़ाया जा सकता है।
- भारतीय दंड संहिता की धारा 271 संगरोध शासन से संबंधित है।
- संगरोध का अर्थ है किसी रोग के प्रसार को रोकने के लिए लगाए गए सख्त अलगाव।
- संगरोध लगाने के कारण–
  - जब किसी बीमारी के मामलों की संख्या में अचानक वृद्धि होती है।
  - प्रकोप के समान लेकिन आमतौर पर बड़ा और अधिक व्यापक माना जाता है।
- इन नियम के तहत अगर कोई भी जानबूझकर अलग–अलग स्थानों पर किसी खास वजह से बनाए गए किसी भी नियम की अवज्ञा करता है तो उसे अपराधी माना जायेगा।

12. (D) जो कोई द्वेष भाव से किसी प्राण घातक रोग का संक्रमण करता है, तो उसे 6 महीने की सजा दी जा सकती है और जिसे 4 महीने अतिरिक्त बढ़ाया जा सकती है। इस व्यवस्था का उल्लेख दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 269 में दिया गया है।

13. (A) विकल्प (A) सही होगा।
वह प्रत्येक मामला जिसमें न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास की सजा दी जाती है। उपयुक्त सरकार उस अवधि को 14 वर्ष से अधिक नहीं कर सकती।

14. (C) सी.आर.पी.सी. की धारा 44 के तहत एक कार्यकारी दण्डाधिकारी अपनी स्थानीय अधिकारिता के अन्दर किसी अपराधी को स्वयं गिरफ्तार कर सकता है या गिरफ्तारी करने के लिए किसी सरकारी व्यक्ति को आदेश दे सकता है।

15. (A) IPC की धारा 497 के तहत व्यभिचार के मामले में पुरुषों को ही दोषी माना जाता था, जबकि महिला के लिए कोई सजा का प्रावधान न था। सर्वप्रथम केरल के निवासी जोसेफ शाइन ने यह मुद्दा उठाया और 2017 में सर्वोच्च न्यायालय में IPC 497 को चुनौती दी। जिसमें पाँच जजों की पीठ ने धारा 497 को अनुच्छेद-21 का उल्लंघन मानते हुए जोसेफ **बनाम** भारत संघ के मामले में इसे रद्द कर दिया।
फहीमा शिरीन **बनाम** केरल राज्य मामले में केरल हाई कोर्ट ने इंटरनेट के इस्तेमाल को संविधान के तहत दिए गए शिक्षा के अधिकार का हिस्सा बताया है। यह फैसला उस याचिका पर दिया गया जिसमें हॉस्टल के छात्रों को मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक लगाने के विरोध में दाखिल दी गई थी।
शफीन जहाँ **बनाम** अशोकन के. एम. मामले में सुप्रीम कोर्ट ने किसी व्यक्ति के अपनी पसन्द के व्यक्ति से शादी करने के आधिकार के साथ–साथ धर्म चुनने के अधिकार को बरकरार रखा।

16. (B) विकल्प (B) सही होगा।
भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, वर्ष 1988 में पारित किया गया। जिसका अधिकार क्षेत्र सम्पूर्ण भारत व भारत के बाहर रहने वाले भारतीय नागरिकों पर भी लागू होगा।

17. (B) मूल विधि–विकल्प (B) सही होगा।
दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत भरण–पोषण का आदेश व्यभिचारिणी पत्नी पर लागू नहीं होगा, क्योंकि वह अपनी मर्जी से और बिना किसी अन्य कारण से अपने पति से अलग रहती हो।

18. (A) विकल्प (A) सही होगा।
सभी मनुष्य स्वतंत्र पैदा होते हैं, और गरिमा और अधिकारों में समान होते हैं, इसकी गारंटी मानवाधिकारों का सार्वभौम घोषणा पत्र में दी गई है। 1945 में UNO बनने के पश्चात् संयुक्त राष्ट्र पार्टर ने मानव अधि. कारों से संबंधित नियमों के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानवीय अधिकारों के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय बिल को तैयार करने का निर्णय लिया।

19. (A) जो कोई भी अपनी इच्छा से किसी भी स्थान पर माहौल को खराब करता है, उसे IPC (इण्डियन पीनल कोड) के तहत 500 रुपये तक के जुर्माने से दण्डित किया जाता है। विधि विरुद्ध स्वेच्छाचारिता, दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आती हैं।

20. (D) दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 49 में प्रावधान है, कि किसी गिरफ्तार व्यक्ति को उतनी ही शक्ति से नियंत्रण में रखा जाए। जिससे वह भाग ना सके, आवश्यकता से अधिक अवरोध निषेध है।
- दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 46 के अधीन गिरफ्तारी करने वाला पुलिस अधिकारी, गिरफ्तार किए जाने वाले व्यक्ति को पकड़ सकता है, अवरूद्ध कर सकता, परन्तु जब तक कि वह अपने को सुपूर्द ना कर दे।
- नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 की धारा 10 के अनुसार जो कोई भी किसी अपराध का पुण्प्रेरण करेगा, वह उसी अपराध के लिए दण्डित होगा।
- भारत के संविधान का अनुच्छेद 20(2) के अनुसार किसी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए बार–बार दण्डित नहीं किया जायेगा।

21. (C) जब कारावास की अवधि 3 माह से कम हो तब एकान्त कैद की सजा को क्रियान्वित करने में ऐसा कारावास किसी भी स्थिति में एक समय पर 14 दिन से अधिक नहीं होगा। इस विधि का उल्लेख दण्ड प्रक्रिया संहिता में किया गया है।

22. (B) Cr.P.C. की धारा 200 के तहत एक मजिस्ट्रेट (दण्डाधिकारी) से एक आपराधिक शिकायत की जा सकती है। भारत में मजिस्ट्रेट (दण्डाधिकारियों) की नियुक्ति भारत के बड़े (मेट्रोपोलीटिन सिटीज) में की जाती है।

23. (A)
- दण्ड का क्षतिपूर्ति सिद्धान्त पीड़ित के कल्याण और पुनर्वास को सुनिश्चित करने का सिद्धान्त है। यह सिद्धान्त 'पीड़ित प्रतिकर स्कीम' के नाम से जाना जाता है। इसका उल्लेख Cr.P.C. में किया गया है।

24. (C) यदि डकैती सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच राजमार्ग पर की जाती है, तो IPC की धारा 392 के अन्तर्गत डकैती की सजा के लिए 14 वर्ष तक के कठोर कारावास की सजा का प्रावधान है, जबकि भारतीय दण्ड संहिता की धारा 395 में डकैती डालने पर आजीवन कारावास और आर्थिक दण्ड का प्रावधान है।

25. (B) भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 326 B के अन्तर्गत यह उपस्थित है कि जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति पर तेजाब द्वारा चोट पहुँचाने के उद्देश्य से हमला करता है या हमले का प्रयास करता है, तो वह संहिता के अधीन अपराधी होगा, तथा दंडित किया जायेगा।

26. (C) वह रूप रेखा जो यह दर्शाती है कि अदालत में सबूत के रूप में प्रस्तुत करने के लिए सबूतों को एकत्रित, विश्लेषित और संरक्षित कैसे किया गया था, इसे कालानुक्रमिक प्रलेखन (Chain of Custody) कहा जाता है। आधुनिक न्याय प्रक्रिया का संचालन दण्ड और अपराध को संयोजित करने के लिए सबूतों के आधार पर किया जाता है।

27. (A) दण्ड प्रक्रिया संहिता (Cr.P.C.) की धारा 156(3) के अन्तर्गत किसी घटना की प्रत्यक्ष जाँच करने या करवाने का अधिकार एक मजिस्ट्रेट के पास होता है।

28. (B) सामान्य परिस्थितियों में निरुद्ध किये गये किसी व्यक्ति को पाँच दिनों के भीतर यह सूचना देना अनिवार्य है कि उसे किस आधार पर निरुद्ध किया गया है।

29. (B) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 395 में 'डकैती' के संदर्भ में दण्ड का उल्लेख करती है। जब कम से कम 5 व्यक्ति संयुक्त रूप से चोरी करते हैं तो उसे डकैती माना जायेगा।'

30. (D)
- भारतीय दण्ड संहिता (IPC) की धारा 124(A) राजद्रोह को परिभाषित करती है। राजद्रोह भारत में भारतीय दण्ड संहिता अधिनियम, 1870 के अन्तर्गत परिभाषित किया गया है। वर्तमान में राजद्रोह अधिनियम ऐसे व्यक्तियों पर लागू होता है जो राष्ट्र के विरुद्ध षड़यन्त्र में शामिल हो और उससे राष्ट्र को बड़ी अपहति होने की संभावना हो।

31. (C) लोक सेवक शब्द की परिभाषा भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 21 के अन्तर्गत दी गयी है। सरकारी योजनाओं को क्रियान्वित करने वाले प्राधिकारी को लोकसेवक की श्रेणी में रखा गया है।

32. (A) विकल्प (A) सही है।
सीआर.पी.सी. की धारा 50-A के तहत, किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी और परिरोध के बारे में उसके मित्र, रिश्तेदार अथवा गिरफ्तार व्यक्ति द्वारा बताए गए या नामांकित व्यक्ति को सूचित करना अनिवार्य है।
अतः विकल्प (A) सही है।

33. (C) यदि कोई लोक सेवक अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति की प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) दर्ज करने में विफल रहता है, तो ऐसे लोक सेवक को एक अवधि तक कारावास हो सकता है, जो एक वर्ष और बढ़ाया जा सकता है, यदि प्रथम दृष्ट या न्यायिक मजिस्ट्रेट को प्रतीत होता है कि, किसी लोक सेवक ने जानबूझकर या लापरवाही से प्रथम सूचना रिपोर्ट नहीं लिखी है। तब वह तत्काल उस लोक सेवक के विरुद्ध गिरफ्तारी का वॉरेन्ट जारी करता है।

34. (D)
- पुलिस द्वारा तैयार किये जाने वाले लिखित दस्तावेज FIR का पूर्ण रूप से फर्स्ट इन्फॉरमेशन रिपोर्ट है। इसी रिपोर्ट के बाद पुलिस घटना के अन्वेषण की शुरुआत करती है।

35. (B)
- भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने जोसेफ साइन *बनाम* भारत संघ के मामले में भारतीय दंड संहिता 1807 की धारा 497 को हटाते हुए व्यभिचार को अपराध मुक्त किया।
- पहले व्यभिचार IPC की धारा 497 के तहत अपराध था।
- यह प्रदान करता है कि कोई भी पुरुष जो जानता है कि महिला विवाहित है और फिर उसके साथ यौन संबंध को रखता है, उसे दंडित किया जाना था।
- इस धारा ने महिला को पति की संपत्ति माना और इसलिए लंबी कानूनी लड़ाई के बाद जोसेफ शाइन *बनाम* भारतीय संघ मामले में भारत की शीर्ष अदालत ने व्यभिचार के अपराध को अपराधमुक्त कर दिया।
- अब से व्यभिचार दंडनीय नहीं है, लेकिन तलाक के लिए एक आधार बना रहेगा।

36. (B)
- एक पुलिस अधिकारी ने एक लड़की को जमानत का आदेश प्रस्तुत करने के बाद भी गिरफ्तार किया और हवालात में निरुद्ध किया। पुलिस अधिकारी अनधिकृत कारावास का दोषी होगा।
- **भारतीय दंड संहिता**—भारतीय दंड सहिता भारत गणराज्य का आधिकारिक आपराधिक कोड है।
- यह आपराधिक कानून के सभी पहलुओं को कवर करने के उद्देश्य से एक पूर्ण कोड है।
- यह 1862 में सभी ब्रिटिश प्रेसीडेंसी में लागू हुआ।
- भारतीय दंड सहिता का पहला मसौदा थॉमस बबिंगटन मैकाले की अध्यक्षता में प्रथम विधि आयोग द्वारा तैयार किया गया था।
- IPC को 23 अध्यायों में उप–विभाजित किया गया है, जिसमें 511 खंड शामिल हैं।

37. (D)
- प्रतिरूपण द्वारा धोखा देने का अपराध संज्ञेय और जमानती है।
- भारतीय दंड संहिता की धारा 415 से 420 धोखाधड़ी के कार्य से संबंधित है।
- धारा 415 : धोखाधड़ी—धारा 415 मे धोखा की परिभाषा दी गई है।
- धारा 416: प्रतिरूपण द्वारा धोखा–ढोंगी बन कर ठगी की वारदात को अंजाम देता है।
- धारा 417 : धोखा देने की सजा—जो कोई भी धोखा देता है उसे कारावास से दंडित किया जाएगा जो या एक वर्ष तक का हो सकता है, या जुर्माना हो सकता है, या दोनों के साथ।
- धारा 418 : किसी अपराधी को बचाने के लिए जान–बूझ कर अपराध करना जिससे किसी व्यक्ति को नुकसान हो सकता है।
- धारा 419 : प्रतिरूपण द्वारा धोखा देने की सजा।
- धारा 420 : धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति के वितरण को प्रेरित करना।

38. (D)
- एक मामला जिसमें उस समय लागू किसी भी कानून के तहत एक पुलिस अधिकारी वारंट के बिना गिरफ्तारी कर सकता है उसे संज्ञेय मामला कहा जाता है।
- आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) में संज्ञेय अपराध की परिभाषा ऐसे अपराध के रूप में की गई है, जिसमें गिरफ्तारी के लिए पुलिस को किसी वारंट की जरूरत नहीं होती।
- संज्ञेय अपराध सामान्यतः गंभीर होते हैं जिनमें पुलिस को तुरन्त कार्य करना होता है। संज्ञेय अपराध मजिस्ट्रेट की आज्ञा अनुसंधान प्रारम्भ कर सकती है।
- सीआरपीसी में यह भी कहा गया है कि पुलिस को ऐसे मामलों में एफआईआर दर्ज करना चाहिए।
- दंड प्रक्रिया संहिता की प्रथम अनुसूची के कॉलम सं. 4 में भारतीय दंड संहिता में वर्णित प्रत्येक अपराध के लिए यह अंकित किया गया है कि वह अपराध संज्ञेय है अथवा असंज्ञेय।

39. (B)
- सजा की अवधि की समय–सीमाओं की गणना में, आजीवन कारावास को बीस वर्ष का कारावास के बराबर माना जायेगा।
- आजीवन कारावास एक दण्ड है जिसमें अपराधी को अपने जीवन के अंत तक जेल में गुजारना होता है।
- आजीवन कारावास महत्वपूर्ण फैसले में उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि आजीवन कारावास का अर्थ दोषी की जिन्दगी समाप्त होने तक जेल में रहने से है। इसका मतलब केवल 14 या 20 साल जेल में बिताना भर नहीं है, जो कि एक गलत धारणा है।
- धारा 57 के अनुसार दंडाविधियों की भिन्नों की गणना करने में, आजीवन कारावास को 20 वर्ष के कारावास के तुल्य गिना जायेगा।
- भारतीय दंड संहिता की धारा 55 और 57 में सरकारों को दंडादेश में कमी करने का अधिकार दिया गया है।

40. (C)
- किसी भी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने के उद्देश्य से जालसाजी का अपराध संज्ञेय और जमानती होता है।

- यह अपराध आई. पी. सी. की धारा 469 के तहत आता है।
- इस अपराध के लिये अपराधी को 3 साल की सजा और जुर्माने का प्रावधान है।
- इस अपराध में समझौता नहीं किया जा सकता है।

41. (D) स डकैती एक अपराध है। जिसे चार चरणों में दण्डनीय माना गया है।
- धारा 390 के अन्तर्गत, जो लूट का अपराध उल्लेखित किया गया है। उसका संगठित रूप डकैती है।
- भारतीय दंड संहिता की धारा 391 के अन्तर्गत डकैती की परिभाषा प्रस्तुत की गई है जिसमें स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि कोई लूट ही डकैती का रूप धर लेती है, यदि उस लूट में 5 या 5 से अधिक व्यक्ति होते हैं।
- धारा 391 की परिभाषा डकैती अपराध की पूर्णता को डकैती के प्रयत्न की समझ रखकर अपराध की चतुर्श अवस्था को दण्डनीय बनाती है।

42. (D)
- दंड संहिता 1973 की **धारा 133** के तहत सार्वजनिक उपद्रव हटाने के लिए आदेश पारित करने का अधिकार मैजिस्ट्रेट को प्राप्त है।
- दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की **धारा 125** के तहत उपेक्षित पत्नी, संतान, माता–पिता के भरण–पोषण का उपबंध करता है।
- दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की **धारा 313** के तहत अभियुक्त की परीक्षा करने की शक्ति प्रदान करना है।
- दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की **धारा 437** के तहत अमानवीय अपराध की दशा में कब जमानत ली जा सकेगी।

43. (D)
- जानबूझकर अपराध करने के लिए किसी व्यक्ति की मदद करने के कार्य को दुष्प्रेरण कहा जाता है।
- दुष्प्रेरण का अपराध भारतीय संविधान के भाग 7 में निहित है।
- भारतीय दंड संहिता के अध्याय 5 में दुष्प्रेरण के संबंध में उल्लेख किया जाता है।
- दंड संहिता के अंतर्गत धारा 107 से लेकर 120 तक दुष्प्रेरण के संबंध में उसकी परिभाषा प्रस्तुत कर रही है।
- दुष्प्रेरण का अपराध तीन प्रकार से किया जा सकता है।
- किसी व्यक्ति को उकसाकर, षड्यंत्र द्व ारा, सहायता द्वारा।

44. (D)
- जो कोई भी 16 से कम आयु के पुरुष को बहकाता है, उसे अपहरण करने वाला कहा जाता है।
- अपहरण वह है, जिससे किसी व्यक्ति या समूह को गैर-कानूनी रूप से वंचित किया जाता है।
- अपहरण करने वाले लोगों को अपहरणकर्त्ता के रूप में जाना जाता है।
- अपहरण का अपराध करने वालों पर I.P.C. की धारा 362 लागू होती है।

45. (B)
- विशेष परिस्थिति में निरूद्ध किए गए एक व्यक्ति को 15 दिनों में यह सूचित किया जाना चाहिए कि उसे निरूद्ध किये जाने के आदेश के आधार क्या है?

46. (D)
- दण्ड प्रक्रिया संहिता में धारा 357A पीड़ित मुआवजा योजना से संबंधित दण्ड प्रक्रिया संहिता वर्ष 1973 में भारत में आपराधिक कानून के क्रियान्वयन के लिए निर्मित दण्ड प्रक्रिया है।
- दण्ड प्रक्रिया संहिता में धारा 437A अगले अपीलीय न्यायालय में अभियुक्त के उपसंजात होने की अपेक्षा करने के लिए जमानत से संबंधित भारत में दण्ड प्रक्रिया संहिता में धारा 280A का सम्बन्ध किसी जलयान को उतावलेपन से चलाना जिससे मानव संकट उत्पन्न होने से दण्ड प्रक्रिया संहिता में धारा 287 का सम्बन्ध किसी मशीन को या किसी कार्य को उतावलेपन से करना जिससे मानव जीवन में संकट उत्पन्न होने से है।

47. (C)
- आइपीसी के अनुसार एक ठग को आजीवन कारावास और जुर्माने का दंड दिया जाएगा।
- आईपीसी का पूरा नाम इंडियन पेनल कोड होता है जिसे भारतीय दण्ड संहिता कहा जाता है।
- भारतीय दण्ड संहिता में भारत के किसी नागरिक द्वारा किये गये अपराधों की परिभाषा व दण्ड का प्रावधान है।
- भारतीय दण्ड संहिता ब्रिटिश काल में सन् 1860 में लागू की गई थी।
- यह संहिता भारतीय सेना पर लागू नहीं होती है।
- भारतीय दण्ड संहिता में कुल 576 धाराएँ शामिल हैं।
- जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद भारती दण्ड संहिता लागू की गई है।

48. (A)
- सी.आर.पी.सी. की धारा 154 के अनुसार एक थाने के प्रभारी अधिकारी का कर्तव्य मौखिक रूप से दी गई प्रत्येक जानकारी का रिकार्ड रखना तथा एफ.आई.आर. तैयार करना है।
- धारा 134 के अनुसार, जो कोई भारत सरकार का सैनिक या कोई अधिकारी द्वारा किसी वरिष्ठ अधिकारी पर (जबकि वह अधिकारी पद निस्पादन में हो) हमले का दुष्प्रेरण या हमला करने के लिए दण्डित किया जाना।
- धारा 174 के अनुसार, किसी व्यक्ति द्वारा किसी निश्चित स्थान पर उपस्थित होने के लिए या अधिकार के बिना वहाँ से प्रस्थान करने के लिए कानूनी आदेश का पालन नहीं करना।
- धारा 164 के अनुसार, संस्वीकृतियों और कथनों को अभिलिखित करना यानी स्वयं किसी अपराध को स्वीकार करना और बताई कोई जानकारी को अभिलिखित करना।

49. (D)
- भारतीय दंड संहिता की धारा 307 हत्या के प्रयास के अपराध से संबंधित है। धारा 307 में कहा गया है कि "जो कोई भी इस तरह के इरादे या ज्ञान के साथ कोई कार्य करता है, और ऐसी परिस्थितियों में, यदि वह उस कार्य से मृत्यु का कारण बनता है, तो वह हत्या का दोषी होगा, उसे एक अवधि के लिए कारावास से दंडित किया जाएगा, जिसे बढ़ाया जा सकता है।
- दस साल तक, और जुर्माने के लिए भी उत्तरदायी होगा; और, यदि इस तरह के कृत्य से किसी व्यक्ति को चोट लगती है, तो अपराधी या तो आजीवन कारावास या इस तरह की सजा के लिए उत्तरदायी होगा जैसा कि यहाँ बताया गया है।
- जब इस धारा के तहत अपराध करने वाला कोई व्यक्ति आजीवन कारावास की सजा के अधीन है, तो चोट लगने पर उसे मौत की सजा दी जा सकती है।

50. (D)
- आपराधिक प्रक्रिया संहिता के प्रावधान के माध्यम से पुलिस द्वारा गवाहों की जाँच एक मामले को तय करने और असली अपराधी को दंडित करने में एक आवश्यक चरण के रूप में साबित होती है। गवाहों की एक परीक्षा में, पु. लिस संबंधित मामले में एक और कदम उठाने के लिए व्यक्ति का बयान लेती

है। पुलिस Cr.P.C. के प्रावधान के तहत व्यक्तियों के बयान लेती है, लेकिन 'कथन' शब्द का अर्थ आपराधिक प्रक्रिया संहिता में कहीं नहीं है।

- यदि हम शब्दकोश के अनुसार किसी कथन का अर्थ देखें, तो उसका अर्थ है, बोलने या लिखने में किसी बात की घोषणा या स्पष्ट अभिव्यक्ति। Cr.P.C. की धारा 161 और Cr.P.C. की धारा 162 पुलिस द्वारा गवाहों की परीक्षा से संबंधित है, और यह धारा पुलिस को जब भी जरूरत हो, गवाहों की जाँच करने और उनकी सुविधा के अनुसार अपना बयान दर्ज करने की पूरी शक्ति देती है।

51. (A)
- दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 357 और 357-ए अपराध के पीड़ितों को मुआवजा देने की प्रक्रिया निर्धारित करती है। देश के प्रत्येक राज्य को केंद्रीय पीड़ित मुआवजा निधि योजना दिशानिर्देशों के अनुरूप पीड़ित मुआवजा योजना स्थापित करनी है। वर्तमान में, हालांकि, राज्य की योजनाएँ उन श्रेणियों की संख्या के संदर्भ में एक- दूसरे से बहुत भिन्न हैं, जिनके तहत पीड़ित मुआवजे के लिए आवेदन कर सकता है और साथ ही प्रत्येक श्रेणी के तहत निर्धारित मुआवजे की राशि भी।

52. (D)
- अपराधी को मृत्युदंड देने के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा सिद्धान्त रेयरेस्ट ऑफ द रेयर की स्थापना की गई थी। मृत्युदंड की संवैधानिकता को उच्चतम न्यायालय द्वारा बरकरार रखा गया और एक सिद्धान्त निर्धारित किया गया है कि मृत्युदंड केवल दुर्लभ से 'दुर्लभतम' मामलों में ही दिया जाना चाहिए।
- रासायनिक बाधियाकरण, बलात्कारियों और यौन अपराधियों के खिलाफ दी जाने वाली कड़ी सजा है। यह कुछ रसायनों का उपयोग पुरुषों में टेस्टोस्टेरेन को कम करके एक आदमी की कामेच्छा या यौन गतिविधि को कम करता है।
- एकान्त कारावास, कारावास की वह सजा है जो अन्य कैदियों के साथ एकल कक्ष में रहने, प्रतिबंधित पदार्थों को नियंत्रित करना है।
- आजीवन कारावास, कारावास की वह सजा है जिसके तहत दोषी को या तो अपना शेष प्राकृतिक जीवन के लिए या अनिश्चित काल तक जेल में रहना पड़ता है। जब तक कि क्षमा पैरोल या एक निश्चित अवधि के लिए कम नहीं किया जाता है।

53. (A)
- धारा 100 : जब शरीर की निजी प्रतिरक्षा का अधिकार मृत्यु कारित करने तक विस्तृत हो जाता है, भारतीय दंड संहिता की धारा 100 को लागू करने के लिए निम्नलिखित चार शर्तें मौजूद होनी चाहिए–
  1. निजी रक्षा के अधिकार का प्रयोग करने वाले व्यक्ति को मुठभेड़ करने में दोष से मुक्त होना चाहिए।
  2. नुकसान, बलात्कार, अप्राकृतिक वासना, अपहरण या अपहरण, गलत कारावास आदि में बाधा उपस्थित होना चाहिए।
  3. पीछे हटने आदि से बचने का कोई राज्य या उचित तरीका नहीं होना चाहिए।
  4. जान लेने के लिए एक आवश्यकता रही होगी।

54. (C)
- मौखिक बयान को लिखित रूप में कम करने और उस पर मुखबिर के हस्ताक्षर प्राप्त करने के संबंध में धारा 154 में प्रावधान, आपराधिक अपराधों के बारे में गैर–जिम्मेदाराना बयान को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से मुखबिर को बयान के लिए जिम्मेदारी के साथ तय करता है।
- मुखबिर द्वारा पहली सूचना पर हस्ताक्षर करने से इनकार करना भारतीय दंड संहिता की धारा 180 के तहत दंडनीय अपराध है। सूचना देने वाले द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट पर हस्ताक्षर की अनुपस्थिति, हालांकि, इस हद तक आवश्यक नहीं है कि यह ऐसी रिपोर्ट को दूषित और रद्द कर देगा।
- संहिता की धारा 154 के तहत प्राथमिकी दर्ज करने के क्रम में। आपराधिक प्रक्रिया 1973 की दो शर्तों को पूरा किया जाना है–
  (A) जो बताया गया है वह एक सूचना होना चाहिए; तथा
  (B) यह जानकारी संज्ञेय अपराध के लिए जाने से संबंधित होनी चाहिए।

55. (D)
- भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 304बी में दहेज मृत्यु को परिभाषित किया गया है। साथ ही भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 113 बी में दहेज हत्या के बारे में अनुमान लगाया गया है।
- भारतीय दंड संहिता की धारा 304B में कहा गया है कि अगर किसी महिला की शादी के सात साल के भीतर किसी भी तरह की जलन या शारीरिक चोट से मृत्यु हो जाती है या यह पता चला है कि शादी से पहले उसके पति या पति के किसी अन्य रिश्तेदार द्वारा उसके साथ क्रूरता या उत्पीड़न किया गया था।
- दहेज की माँग के संबंध में तो महिला की मौत को दहेज हत्या माना जायेगा। दहेज हत्या की सजा न्यूनतम सात साल की कैद या अधिकतम उम्र कैद की सजा है।

56. (C)
- अपने वैश्विक घर की चार दीवारी के पीछे महिला के हितों के विरुद्ध महिला के हितों की रक्षा के लिए, भारतीय दंड संहिता, 1860 (इसके बाद IPC के रूप में संदर्भित) को 1983 में संशोधित किया गया और धारा 498A डाला गया जो संबंधित है एक महिला के साथ 'वैवाहिक क्रूरता' के साथ।
- भारत में वैवाहिक क्रूरता एक संज्ञेय, गैर जमानती और गैर समझौता योग्य अपराध है। इसे IPC के अध्याय XXA में परिभाषित किया गया है। धारा के तहत 498A के रूप में। किसी महिला के प्रति उसका पति या रिश्तेदार उसके साथ क्रूरता करता है।
- जो कोई किसी महिला का पति या पति का रिश्तेदार होते हुए उसके साथ क्रूरता करता है, उसे एक अवधि के लिए कारावास से दंडित किया जाएगा, जिसे तीन साल तक बढ़ाया जा सकता है और जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

57. (A) जाँच अधिकारी का पहला कदम दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 172 द्वारा निर्धारित केस डायरी में उस समय और स्थान को नोट करना होना चाहिए जिस पर वह सूचना प्राप्त करता है जिस पर वह कार्य करता है और डायरी में उसकी एक प्रति बनाना चाहिए। जाँच शुरू करते समय, उसे डायरी में वह समय और स्थान नोट करना चाहिए जहाँ से वह शुरू होता है। फिर उसे कथित अपराध के दृश्य का निरीक्षण करना चाहिए और शिकायतकर्ता और किसी भी अन्य व्यक्ति से पूछताछ करनी चाहिए जो परिस्थितियों पर प्रकाश डालने में सक्षम हो। जाँच के प्रारंभिक चरण में, उसे वहाँ दर्ज किसी भी मामले के बारे में जानने के लिए ग्राम अपराध नोटबुक से परामर्श लेना चाहिए, जो मामले पर असर डाल सकता है।

58. (C)
- माफी फरलो और पैरोल दोनों से इस मायने में अलग है कि, यह जेल

जीवन से विराम के विपरीत सजा में कमी है। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 432 राज्य सरकारों को दोषियों को छूट देने की अनुमति देती है। प्रावधान में कहा गया है कि "जब किसी व्यक्ति को किसी अपराध के लिए सजा सुनाई गई है, तो उपयुक्त सरकार किसी भी समय, बिना किसी शर्त के या किसी भी शर्त पर, जिसे सजा सुनाई गई व्यक्ति स्वीकार करता है, उसकी सजा के निष्पादन को निलंबित कर सकता है या पूरे या किसी भी उस सजा का हिस्सा जिसके लिए उसे सजा सुनाई गई है।"

- संक्षेप में, यदि राज्य सरकार चाहे तो एक कैदी को समय से पहले रिहा किया जा सकता है, लेकिन इस शक्ति का प्रयोग अपने आप में न्यायिक समीक्षा के अधीन है।

59. (A)
- भारतीय दंड सहिता के तहत दहेज हत्या मत्युदंड योग्य अपराध नहीं है। जो कोई भी दहेज हत्या करता है उसे कारावास से दंडित किया जाएगा, जिसकी अवधि सात वर्ष से कम नहीं होगी, लेकिन जिसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है।
- जहाँ महिला की मृत्यु शारीरिक चोट से, जलने से हुई हो या शादी के सात साल के भीतर सामान्य परिस्थितियों से अलग होती है और यह दिखाया जाता है कि उसकी मृत्यु से कुछ समय पहले उसके पति या उसके किसी रिश्तेदार द्वारा क्रूरता या उत्पीड़न किया गया था। पति के लिए, या दहेज की किसी भी माँग के संबंध में, ऐसी मृत्यु को दहेज मृत्यु कहा जाएगा, और ऐसे पति या रिश्तेदार को उसकी मृत्यु का कारण माना जाएगा।

60. (A)
- बलात्कार के लिए सजा का प्रावधान भारतीय दंड संहिता की धारा 376 IPC के अन्तर्गत प्रावधान है। इस सजा के अन्तर्गत कठोर कारावास से दंडित किया जायेगा जिसकी अवधि दस वर्ष से कम नहीं होगी, लेकिन जिसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है, जिसका अर्थ उस व्यक्ति के शेष प्राकृतिक जीवन के लिए कारावास होगा, और जुर्माने के लिए भी उत्तरदायी होगा।

61. (D)
- जहाँ किसी महिला की मृत्यु किसी जलने या शारीरिक चोट के कारण हुई हो या शादी के सात साल के भीतर सामान्य परिस्थितियों से अलग होती है और यह दिखाया जाता है कि उसकी मृत्यु से ठीक पहले उसके द्वारा क्रूरता या उत्पीड़न किया गया था पति या उसके पति के किसी रिश्तेदार के लिए, या दहेज की किसी भी माँग के सम्बन्ध में, ऐसी मृत्यु को "दहेज मृत्यु" कहा जाएगा, और ऐसे पति या रिश्तेदार को उसकी मृत्यु का कारण माना जाएगा।

(A) Section 309(C) IPC आत्महत्या करने का प्रयास—जो कोई भी आत्महत्या करने का प्रयास करता है और ऐसे अपराध को अंजाम देने की दिशा में कोई कार्य करता है, उसे एक अवधि के लिए साधारण कारावास से दंडित किया जाएगा, जिसे एक वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है या जुर्माने से, या दोनों से।

(B) Section 123(F) IPC–युद्ध छेड़ने के लिए डिजाइन को सुविधाजनक बनाने के इरादे से छिपाना—जो कोई भी किसी भी कार्य द्वारा, या किसी भी अवैध चूक से, (भारत सरकार) के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए एक डिजाइन के अस्तित्व को छुपाता है, इस तरह के छुपाने के इरादे से, या जानने के लिये यह संभावना है कि इस तरह के छुपाने से इस तरह के युद्ध को छेड़ने में सुविधा होगी, किसी एक अवधि के लिए कारावास से दंडित किया जाएगा, जिसे दास जिसे दस साल तक बढ़ाया जा सकता है, और यह भी जुर्माना के लिए उत्तरदायी होगा।

(C) Section 104(D) IPC–जब ऐसा अधिकार मृत्यु के अलावा किसी भी नुकसान का कारण बनता है। यदि अपराध, जिसे करने, या करने का प्रयास, निजी रक्षा के अधिकार का प्रयोग करने का अवसर चा. `री, शरारत, या आपराधिक अतिचार हो, पिछले पूर्ववर्ती खंड में वर्णित किसी भी विवरण में से नहीं, यह अधिकार मृत्यु के स्वैच्छिक कारण तक विस्तारित नहीं है, लेकिन धारा 99 में उल्लिखित प्रतिबंधों के अधीन, स्वैच्छिक रूप से गलत कर्ता को किसी भी नुकसान का कारण बनता है मौत के अलावा।

62. (C)
- संहिता की धारा 164 के तहत गवाह के बयान दर्ज करने की आवश्यकता दो गुना है :
- गवाह को बाद में अपने संस्करण बदलने से रोकने के लिए: तथा संहिता की ध. ारा 162 के तहत गवाह द्वारा दी गई जानकारी के सम्बन्ध में अभियोजन से छूट प्राप्त करना। संहिता की धारा 164 के तहत गवाहों के बयाज दर्ज करने का एक अन्य कारण झूठी गवाही में शामिल होने के डर से इकाई में गवाह द्वारा बयान बदलने की संभावना को कम करना है।

(A) Section 178 Cr.P.C पूछताछ या विचारण का स्थान। (ए) जब यह अनिश्चित हो किस स्थानीय क्षेत्र में अपराध किया गया था, या
  (1) जहाँ अपराध किया जाता है, आंशिक रूप से एक स्थानीय क्षेत्र में और आंशिक रूप से दूसरे में, या
  (2) जहाँ एक अपराध निरंतर है, और एक से अधिक स्थानीय क्षेत्रों में किया जाना जारी है, या
  (3) यहाँ इसमें विभिन्न स्थानीय क्षेत्रों में किए गए कई कार्य शामिल हैं, ऐसे किसी भी स्थानिय क्षेत्र पर अधिकार क्षेत्र वाले न्यायालय द्वारा इसकी जाँच या विचार किया जा सकता है।

(B) Section 134 Cr.P.C. आदेश, यदि व्यावहारिक हो, तो उस व्यक्ति पर तामील किया जाएगा, जिसके खिलाफ इसे किया गया है, जिस तरह से यहाँ एक सम्मन की तामील के प्रदान किया गया है।

(C) Section Cr.P.C. 109 संदिग्ध व्यक्तियों से अच्छे व्यवहार के लिए सुरक्षा। जब एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट को यह जानकारी मिलती है कि उसके स्थानीय अधिकार क्षेत्र में कोई व्यक्ति अपनी उपस्थिति छुपाने के लिए एहतियात बरत रहा है और यह मानने का कारण है कि वह एक संज्ञेय अपराध करने की दृष्टि से ऐसा कर रहा है, तो मजिस्ट्रेट इसके बाद प्रदान किए गए तरीके से, ऐसे व्यक्ति से यह कारण बताने की अपेक्षा की जाती है, कि उसके अच्छे व्यवहार के लिए उसे जमानत के साथ या उसके बिना बांड निष्पादित करने का आदेश क्यों नहीं दिया जाना चाहिए। अवधि, एक वर्ष से अधिक नहीं, जैसा कि मजिस्ट्रेट ठीक समझे।

63. (C) धारा 173 जाँच पूरी होने पर पुलिस अधि. कारी की रिपोर्ट से संबंधित है। इस अध्याय के सन्दर्भ में अनावश्यक विलम्ब के बिना अन्वेषण किया जायेगा।

(i) जब यह पूरा हो गया है, पुलिस स्टेशन का प्रभारी अधिकारी राज्य सरकार द्वारा निर्धारित प्रपत्र में अपराध का संज्ञान लेने के लिए अधिकृत मजिस्ट्रेट को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा, जिसमें कहा गया होगा–
- पार्टियों के नाम
- सूचना की प्रकृति
- उन व्यक्तियों के नाम जो मामले की परिस्थितियों से परिचित प्रतीत होते हैं।
- क्या आरोपी को गिरफ्तार किया गया था?
- क्या अभियुक्त को उसके मुचलके के कारण रिहा किया गया था, और यदि हाँ, तो जमानत के साथ या उसके बिना मौसम।
- क्या आरोपी को धारा 170 के तहत हिरासत में रखा गया था?

(ii) अधिकारी उस व्यक्ति को भी, जिसके द्वारा अपराध किए जाने से संबंधित सूचना पहली बार प्राप्त हुई थी, राज्य सरकार द्वारा निर्दिष्ट तरीके से उसके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई के बारे में भी सूचित करेगा।

64. (D) 58 Cr.P.C. – आशंकाओं की रिपोर्ट करने के लिये पुलिस, पुलिस थानों के प्रभारी अधिकारी जिला मजिस्ट्रेट को रिपोर्ट करेंगे यदि वह ऐसा निर्देश देते हैं, तो उप-मण्डल मजिस्ट्रेट को वारंट के बिना गिरफ्तार किए गये सभी व्यक्तियों के मामले उनके सम्बन्धित स्टेशनों की सीमाओं के भीतर क्या ऐसे व्यक्तियों को भर्ती कराया गया है। जमरलत के लिए या अन्यथा।

107 Cr.P.C. – अन्य मामलों में शान्ति बनाये रखने के लिये सुरक्षा।

95 Cr.P.C. – कुछ प्रकाशनों को जब्त घोषित करने और उसके लिये तलाशी वारंट जारी करने की शक्ति।

67 Cr.P.C. – स्थानीय सीमा के बाहर समन की तामील। जब कोई न्यायालय चाहता है कि उसके द्वारा जारी किए गए सम्मन को उसके स्थानीय अधिकार क्षेत्र के बाहर किसी भी स्थान पर तामील किया जाए तो वह सामान्यता ऐसे समन को दो प्रतियों में मजिस्ट्रेट को भेजेगा। जिसके स्थानीय अधिकार क्षेत्र में वह व्यक्ति रहता है या उसकी तामील की जानी है।

65. (A) FIR पूर्ण रूप First information report प्राथमिकी (FIR) दर्ज करने का मूल उद्देश्य अपराधिक कानून को गति प्रदान करना है। Cr.P.C. की धारा 154 के तहत जानकारी को आमतौर पर FIR के रूप में जाना जाता है।

66. (D)
- भारतीय दंड संहिता की धारा 307 हत्या के प्रयास के अपराध से संबंधित है। धारा 307 में कहा गया है कि ''जो कोई भी इस तरह के इरादे या ज्ञान के साथ कोई कार्य करता है, और ऐसी परिस्थितियों में, यदि वह उस कार्य से मुत्यु का कारण बनता है, तो वह हत्या का दोषी होगा, उसे एक अवधि के लिए कारावास से दंडित किया जाएगा, जिसे बढ़ाया जा सकता है।
- दस साल तक, और जुर्माने के लिए भी उत्तरदायी होगा; और, यदि इस तरह के कृत्य से किसी व्यक्ति को चोट लगती है, तो अपराधी या तो आजीवन कारावास या इस तरह की सजा के लिए उत्तरदायी होगा जैसा कि यहाँ बताया गया है।
- जब इस धारा के तहत अपराध करने वाला कोई व्यक्ति आजीवन कारावास की सजा के अधीन है, तो चोट लगने पर उसे मौत की सजा दी जा सकती है।''

67. (C)
- भारत में अपराध रिपोर्ट राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) द्वारा जारी की जाती है। यह NCRB द्वारा प्रकाशित सबसे पुराना और सबसे प्रतिष्ठित प्रकाशन है। रिपोर्ट के लिए डाटा जिला अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (DCRB) से राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (SCRB) द्वारा एकत्र किया जाता है और संदर्भ के तहत प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के अंत में NCRB को भेजा जाता है।
- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की सांख्यिकी शाखा है। जिस आदेश के तहत यह विलय लागू हुआ था, उसमें कहा गया था कि प्रस्तावित NSO का नेतृत्व सचिव (सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन) करेंगे।
- भारत की जनगणना देश की आबादी के आकार, वितरण और सामाजिक आर्थिक, जनसांख्यिकी और अन्य विशेषताओं के बारे में जानकारी प्रदान करती है। जनगणना के माध्यम से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग प्रशासन, योजना और नीति निर्माण के साथ–साथ सरकार, गैर सरकारी संगठनों, शोधकर्ताओं, वाणिज्यिक और निजी उद्यमों आदि द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के प्रबंधन और मूल्यांकन के लिए किया जाता है।
- भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण भारत सरकार के वित्त मंत्रालय का एक वार्षिक दस्तावेज है। आर्थिक मामलों का विभाग वित्त मंत्रालय हर साल केंद्रीय बजट से ठीक पहले संसद में सर्वेक्षण प्रस्तुत करता है। इसे भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार के मार्गदर्शन में तैयार किया गया है। यह दस्तावेज बजट सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों में पेश किया जाता है।

68. (C)
- CRPC की धारा 145 के तहत एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट पक्षों को एक विवादित अचल संपत्ति के संदर्भ में अपना दावा लिखकर प्रस्तुत करने का आदेश दे सकता है। यदि विवाद के कारण शांति भंग होने की संभावना हो तब।
- CRPC का पूरा नाम कोड़ ऑफ क्रिमिनल प्रोसिजर होता है। दंड संहिता प्रक्रिया भारत में 1973 में लागू किया गया था। यह प्रक्रिया 1 अप्रैल, 1974 से लागू हुआ था।

भारतीय दंड संहिता प्रक्रिया में कुल 484 धाराएँ हैं।

69. (C)
- FIR का पूर्ण रूपः First Important Report
- प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) एक लिखित दस्तावेज है, जो पुलिस द्वारा तब तैयार किया जाता है, जब उन्हें किसी संज्ञेय अपराध के बारे में सूचना प्राप्त होती है। यह सूचना की एक रिपोर्ट है, जो समय पर सबसे पहले पुलिस तक पहुँचती है, और इसीलिए इसे, प्रथम सूचना रिपोर्ट कहा जाता है।
- यह आमतौर पर एक संज्ञेय अपराध के शिकार व्यक्ति द्वारा या उसकी ओर से किसी व्यक्ति द्वारा पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत होती है।
- FIR एक बहुत ही महत्वपूर्ण दस्तावेज है, क्योंकि यह आपराधिक न्याय की प्रक्रिया को गति प्रदान करता है। थाने में FIR दर्ज होने के बाद ही पुलिस मामले की जाँच शुरू करती है।
- संज्ञेय अपराध के बारे में जानने वाला कोई भी व्यक्ति FIR दर्ज कर सकता है। यह जरूरी नहीं है कि केवल अपराध का शिकार व्यक्ति ही FIR दर्ज करे। एक पुलिस अधिकारी जिसे संज्ञेय अपराध के बारे में पता चलता है, वह स्वयं FIR दर्ज कर सकता है।

70. (D)
- धारा 157 सीआर.पी.सी. प्रदान करता है कि संज्ञेय मामलों में, एक पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी का कर्तव्य है कि वह अधिकार क्षेत्र वाले मजिस्ट्रेट को रिपोर्ट भेजे और फिर जाँच के लिए आगे बढ़ें।
- आयुक्तालय प्रणाली में, पुलिस आयुक्त एक

एकीकृत पुलिस कमांड संरचना का प्रमुख होता है, शहर में बल के लिए जिम्मेदार होता है, और राज्य सरकार के प्रति जवाबदेह होता है। कार्यालय में मजिस्ट्रियल शक्तियाँ भी हैं, जिनमें विनियमन, नियंत्रण और लाइसेंसिंग से सम्बन्धित हैं।

- मुख्य सचिव राज्य प्रशासन के सभी मामलों पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सलाहकार के रूप में कार्य करता है। मुख्य सचिव भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी होता है।
- अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (ADGP) एक भारतीय पुलिस सेवा रैंक है। हालांकि पुलिस महानिदेशक की तरह अधिकतम संभव 3 सितारा पुलिस रैंक होने के बावजूद, एडीजीपी को डीजीपी के समान माना जाता है।

71. (D)
- Section 49 of Cr. P. C. कोई अनावश्यक संयम नहीं है। गिरफ्तार व्यक्ति को उसके भागने से रोकने के लिए आवश्यक से अधिक संयम के अधीन नहीं किया।
- Section 87 of Cr. P. C. सम्मन के एवज में या इसके अतिरिक्त वारंट जारी करना। न्यायालय, किसी भी मामले में, जिसमें इस संहिता द्वारा किसी व्यक्ति की उपस्थिति के लिए समन जारी करने का अधिकार दिया गया है, उसके कारणों को लिखित रूप में दर्ज करने के बाद, उसकी गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी कर सकता है।
- Section 56 of Cr. P. C. गिरफ्तार किये गये व्यक्ति को थाने के प्रभारी अधिकारी के मजिस्ट्रेट के समक्ष ले जाया जाना। वारंट के बिना गिरफ्तारी करने वाला एक पुलिस अधिकारी, अनावश्यक देरी के बिना और इसमें निहित प्रावधानों के अधीन होगा।
- Section 94 of Cr. P. C. चोरी की सम्पत्ति, जाली दस्तावेज आदि रखने के लिए संदिग्ध स्थान की तलाशी।

72. (C) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 24 के अनुसार, बेईमानी से तात्पर्य है, "किसी एक व्यक्ति को गलत तरीके से लाभ पहुँचाने या हानि पहुँचाने के इरादे से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कुछ किया जाना।"

73. (D) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 53 'दण्ड' से संबंधित है। इस धारा के अनुसार अपराधी को मृत्यु, आजीवन कारावास, कठिन (सश्रम) तथा साधारण कारावास, सम्पत्ति के समपहरण तथा जुर्माने के दण्ड से दण्डित किया जा सकता है।

74. (A) भारतीय दण्ड संहिता वर्ष 1860 के लॉर्ड मैकाले द्वारा निर्मित प्रारूप संहिता का ही संशोधित संस्करण है तथा यह ब्रुनेई, सिंगापुर, श्रीलंका, बर्मा (म्यांमार) तथा मलेशिया के प्रारूप पर आधारित है।

75. (C) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 71 का संबंध "कई अपराधों से मिलकर बने अपराध के लिए दण्ड की अवधि" से है। धारा 71 (पैरा 3) में यह कहा गया है कि यदि किये गये अनेक कृत्यों में से एक या अधिक कृत्य स्वतंत्र रूप से अपराध हों तथा उन कृत्यों से मिलकर एक भिन्न अपराध बनता हो, तो ऐसी दशा में उसे केवल एक अपराध के लिए दण्डित किया जा सकता है। दूसरे शब्दों में न्यायालय अभियुक्त को एक अपराध के लिए दण्डित करे या एक से अधिक अपराध के लिए, लेकिन कुल मिलाकर उनमें से किसी एक अपराध के लिए निर्धारित अधिकतम दण्ड की सीमा से अधिक नहीं दिया जाना चाहिए।

76. (A) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 405-409 आपराधिक न्यास भंग से सम्बन्धित है। आपराधिक न्यास भंग का अर्थ है—"किसी एक व्यक्ति द्वारा, किसी दूसरे व्यक्ति की सम्पत्ति, निधि इत्यादि पर अल्पकालिक अधिकार मिलने पर इसका दुरुपयोग करना, उसका व्यय करना या उसे अपने नाम पर परिवर्तित करना। इसका उल्लेख आई.पी.सी. की धारा 405 में स्पष्टीकरण के साथ किया गया है।

77. (C) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 415-420 छल से संबंधित है। धारा 415 के अनुसार, जो कोई किसी व्यक्ति को धोखा देकर उस व्यक्ति को, जिसे इस प्रकार धोखा दिया गया है, कपटपूर्वक या बेईमानी से उत्प्रेरित करता है कि वह—

(i) कोई सम्पत्ति किसी व्यक्ति को परिदत्त कर दे, या

(ii) यह सम्पत्ति दे दे कि कोई सम्पत्ति रख रखे, या

(iii) इस आशय से उत्प्रेरित करता है कि कोई ऐसा कार्य करे या करने का लोप करे जिसे यदि इस प्रकार प्रवंचित न किया गया होता तो न करता, तथा

(iv) जिस कार्य या लोप से प्रवंचित व्यक्ति को—शारीरिक, मानसिक, ख्याति, साम्पत्तिक नुकसान (अपहानि) कारित होती है या कारित होनी सम्भाव्य है। ज्ञात हो कि प्रवंचना का अर्थ "तथ्यों को बेईमानी से छिपाना" है।

78. (C) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 87 के अनुसार सम्मति से किया गया कार्य जिसमें मृत्यु या घोर उपहति कारित करनेका आशय न हो और न उसकी सम्भावना का ज्ञान हो, इसमें A और B की सहमति है, इसलिए यह अपराध नहीं होगा। धारा 86 के अनुसार स्वैच्छिक मत्तता में व्यक्ति के द्वारा किये गये कार्य हेतु उसे कार्य की प्रकृति का तथा कार्य की विधि विरुद्ध होने का ज्ञान नहीं होना चाहिए।

अतः इस शर्त की अनुपस्थिति में P द्वारा किया गया कार्य अपराध होगा।

79. (A) भारतीय दण्ड संहिता, 1860 (Indian Penal Code) की धारा 57 में कहा गया है कि "सजा की शर्तों के अंश में जीवन के लिए कारावास को बीस साल के लिए कारावास के बराबर माना जायेगा।"

80. (C) भारतीय दंड संहिता की धारा 120-A में वर्णित है कि किसी 'अपराध' को करने के लिए "केवल राजी हो जाना" ही अभियुक्त को दंड देने के लिए पर्याप्त है, जबकि भारतीय दंड संहिता की धारा 309 के अनुसार आत्महत्या की कोशिश एक अपराध है।

81. (B) धारा 307 का संबंध "हत्या का प्रयास" करने से है। जब अभियुक्त किसी की हत्या करने के आशय से प्रयास करता है, किन्तु वह हत्या करने के प्रयास में सफल नहीं हो पाता तो यह धारा लागू होती है।

82. (B) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 82 के अनुसार सात वर्ष से कम आयु के शिशु द्वारा किया गया कृत्य अपराध नहीं होता। अतः स्पष्ट है कि A ने कोई अपराध नहीं किया है तथा भारतीय दण्ड संहिता की धारा 85 के अनुसार ऐसे व्यक्ति का कार्य जो अपनी इच्छा के विरुद्ध मत्तता में होने के कारण निर्णय पर पहुँचने में असमर्थ हो, अपराध नहीं होगा।

83. (D) सरला मुदगल *बनाम* भारत संघ वाद 1995 में, सर्वोच्च न्यायालय ने समलैंगिकता, विवाह के मामलों पर व्यक्तिगत कानूनों के बीच संघर्ष और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 को संदर्भित किया था। सरला मुदगल मामले का संबंध द्विविवाह के अपराध, निजता के कानूनों और देशों में नागरिक संहिता के लिए अत्यधिक आवश्यकता के बीच टकराव से है। अदालत ने यह माना कि इस्लाम में परिवर्तित होने के बाद एक हिन्दू आदमी की दूसरी शादी अमान्य होगी, अगर पहली शादी भंग नहीं हुई है। समथा *बनाम* आंध्र प्रदेश एक अनुसूचित जनजाति मामला है।

लिली थॉमस *बनाम* भारत संघ का संबंध द्वि विवाह (धारा 494 I.P.C.) से है।

श्रेया सिंघल *बनाम* भारत संघ का संबंध साइबर अपराध से है।

84. (A) अपराध के मूलभूत तत्व हैं–
(1) इंसान द्वारा किये गये
(2) आपराधिक इरादा
(3) कोई अवैध कार्य या चूक (लोप)
(4) किसी अन्य व्यक्ति के शरीर, मन, प्रतिष्ठा या सम्पत्ति को चोट पहुँचाना।
एक अपराध के गठन के लिए उपर्युक्त चारों तत्वों की पूर्ति होना आवश्यक है।

85. (B) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 304-B के अनुसार "दहेज मौत" के लिये जिम्मेदार व्यक्ति को न्यूनतम 7 वर्ष तथा अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है।

86. (B) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 377 "प्रकृति विरुद्ध अपराध" से संबंधित है।
किसी व्यक्ति द्वारा किसी, पुरुष, स्त्री या जीव–जन्तु के साथ प्रकृति द्वारा स्थापित व्यवस्था के विरुद्ध स्वेच्छा से इन्द्रिय भोग करना "प्रकृति के विरुद्ध" अपराध होता है। इसके लिये व्यक्ति को आजीवन कारावास या 10 वर्ष तक सश्रम अथवा साधारण कारावास दिया जा सकता है। साथ ही जुर्माना भी हो सकता है।

87. (C) मोहम्मद अहमद खान *बनाम* शाह बानो के प्रकारण में शाह बानों के पति ने जब उन्हें तलाक दिया तब उनकी उम्र 62 वर्ष थी। शाह बानों ने दंड प्रक्रिया संहिता (Cr. P.C.) की धारा 125 के अंतर्गत अपने पति से भरण–पोषण भत्ता दिए जाने की माँग की। न्यायालय ने शाह बानो के पक्ष में फैसला दिया, लेकिन उनके पति ने इस फैसले के खिलाफ अपील की और अंततः यह मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुँचा। शाह बानो के पक्ष में आए न्यायालय के फैसले का भारी विरोध हुआ। अन्ततः सरकार ने मुस्लिम धर्मगुरुओं के दबाव में आकर मुस्लिम महिला तलाक पर संरक्षण अधिनियम, 1986 पारित कर दिया। इस अधिनियम के जरिये शाह बानो के पक्ष में आया फैसला भी पलट दिया गया, लेकिन शाह बानो का नाम भारत के न्यायिक इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज हो गया। शाह बानो ने यह वाद 23 अप्रैल, 1985 में जीत लिया था।

88. (B) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 2 (x) के अनुसार वारंट मामला वह होता है, जो एक ऐसे अपराध से संबंधित है, जिसकी सजा मृत्यु दण्ड, आजीवन कारावास अथवा दो वर्षों से अधिक अवधि का कारावास हो सकता है।

89. (B) भा.द.सं. की धारा 146 के अनुसार जब कभी गैर–कानूनी जनसमूह द्वारा या उसके किसी भी सदस्य द्वारा बल या हिंसा का प्रयोग किया जाता है, तब ऐसे जनसमूह के आम उद्देश्य के अभियोजन में, ऐसे जनसमूह का हर सदस्य "बलवा" के अपराध का दोषी होगा।

90. (A) भारतीय दण्ड संहिता के अनुसार धारा 121 (भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध की घोषणा करना या युद्ध करने का प्रयत्न करना या युद्ध करने का दुष्प्रेरण करना) तथा धारा 364A (फिरौती के लिए व्यपहरण) दोनों के अन्तर्गत मृत्युदण्ड दिया जा सकता है।

91. (B) भारतीय दंड संहिता की धाराओं 375 व 376 का संबंध बलात्कार तथा अन्य यौन अपराधों से है। धारा 375 में बलात्कार की परिभाषा दी गयी है तथा 376 में बलात्कार के दण्ड का प्रावधान है।
भा.द.सं. की धारा 375 में निम्न प्रकार से किये गये कार्य बलात्कार की श्रेणी में आयेंगे–
1. उस स्त्री की इच्छा के विरुद्ध संबंध बनाना।
2. उस स्त्री की सम्मति के बिना संबंध बनाना।
3. उसी स्त्री की सम्मति से संबंध बनाना जब उसकी सम्मति उसे या ऐसे किसी व्यक्ति को, जिससे वह हितबद्ध है, मृत्यु या उपहति के भय में डालकर अभिप्राप्त की गयी है।
4. उस स्त्री की सम्मति से संबंध बनाना, जबकि वह पुरुष यह जानता है कि वह स्त्री का पति नहीं है और वह स्त्री अपनी सम्मति इसलिए दी है कि वह ऐसा पुरुष है जिससे वह विधिपूर्वक विवाहित है या स्वयं के विवाहित होने का विश्वास करती है।
5. अगर स्त्री अपनी सम्मति विकृतचित्त या मत्तता या अस्वास्थ्यकर पदार्थ दिए जाने के कारण उस बात की जिसके बारे में वह सम्मति देती है प्रकृति और परिणामों को समझने में असमर्थ है।
6. अगर वह स्त्री 18 वर्ष से कम आयु की है और अपनी सम्मति देती है।
7. जब वह स्त्री संसूचित करने में असमर्थ है।

92. (C) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 194 के तहत यदि किसी निर्दोष व्यक्ति को मिथ्या साक्ष्य के परिणामस्वरूप दोषसिद्ध किया जाये और उसे फाँसी दे दी जाये तो उस व्यक्ति को जो ऐसा मिथ्या साक्ष्य देगा, उसे मृत्युदण्ड दिया जायेगा। धारा 122 में आजीवन कारावास या दोनों में से किसी भांति के कारावास से जो 10 वर्ष तक हो सकेगी और जुर्माने से भी दण्डितकिया जाएगा। धारा 121 (भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध की घोषणा करना या युद्ध का प्रयत्न करना या युद्ध के लिए दुष्प्रेरण करना) में मृत्युदंड का प्रावधान है।

93. (B) राज्यसभा ने 8 अगस्त, 2016 को 'मानसिक स्वास्थ्य सेवा विधेयक' को पारित करके आत्महत्या के प्रयास को अपराध की श्रेणी से अलग कर दिया। इसके अतिरिक्त इस विधेयक में मानसिक रोगियों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने और इस दौरान उनके अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन का प्रावधान भी किया गया है। इस विधेयक में यह कहा गया है कि आत्महत्या का प्रयास करने वाले व्यक्ति को भारतीय दण्ड संहिता के तहत दण्ड नहीं दिया जाएगा, बल्कि पीड़ित व्यक्ति की मानसिक समस्याओं के उपचार व देभभाल की व्यवस्था की जायेगी।

94. (C) यदि कोई अपराध केवल जुर्माने से दण्डनीय हो तथा जुर्माना नहीं दिया जाता तो धारा 67 में इस संबंध में कारावास का प्रावधान है। ₹ 50 के लिए 2 माह, ₹ 100 तक के लिए 4 माह तथा अन्य दशा में 6 माह के कारावास का प्रावधान है। इस धारा के अन्तर्गत कारवास सादा होगा।
अतः ₹ 40 तक के जुर्माने की राशि का भुगतान न कर पाने की स्थिति में राम को 2 माह तक के लिए सादा कारावास दिया जाये।

95. (B) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 303- आजीवन कारावास के दण्डादेश के अधीन रहते हुए किसी व्यक्ति की हत्या करने से संबंधित है। मिट्ठू *बनाम* पंजाब राज्य AIR 1983 के वाद में धारा 303 की असंवैधानिक घोषित किया गया तथा इस आधार पर चुनौती दी गयी थी कि उक्त धारा के प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 14 एवं अनुच्छेद 21 से विसंगत थे।
–ए.डी.एम. जबलपुर *बनाम* शिवाकान्त शुक्ला, (1976, SC) आपातकाल में मूलअधिकारों को लागू नहीं किये जाने के संबंध में है।
–श्रेया सिंघल *बनाम* भारत संघ, (2015, SC) के मामले में I.T. Act की धारा 66A को असंवैधानिक घोषित किया गया।
–पी.ए. इनामदार *बनाम* महाराष्ट्र राज्य, (2005, SC) का मामला आरक्षण से संबंधित है।

96. (A) भारतीय दण्ड संहिता का अध्याय XIV (धारा 268-294A) लोक स्वास्थ्य, क्षेम (सुरक्षा), सुविधा, शिष्टता और सदाचार पर प्रभाव डालने वाले अपराधों के विषय में प्रावधान करती है। दूसरे शब्दों में यह "वातावरण को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बनाने" के लिए जुर्माने से संबंधित है।

97. (C) जब लोग लड़ते हुए, सार्वजनिक शांति भंग करते हैं, तो उसे बलवा करना कहा जाता है। बलवा को IPC की धारा 146 के अनुसार–
बलवा के आवश्यक तत्व हैं–
1. पाँच या पाँच से अधिक व्यक्तियों का होना।
2. आपराधिक बल या प्रदर्शन द्वारा कोई कार्य किया जाना।
3. जमाव के सदस्य का कार्य सामान्य उद्देश्य को अग्रसर करना।

❑❑

अध्याय

1 हिंदी भाषा का विकास

1. 'बेगमपुरा की अवधारणा को इनमें से किस कवि ने प्रस्तुत किया?
(A) कबीरदास (B) रविदास
(C) तुलसीदास (D) सूरदास
UPSI परीक्षा, 02-12-2021 (प्र.पा.)

2. प्रथम राजभाषा आयोग के अध्यक्ष इनमें से कौन थे?
(A) सुनीति कुमार चटर्जी
(B) पी. सुब्बोरोयान
(C) जी.बी. पन्त
(D) बी.जी. खेर
UPSI परीक्षा, 02-12-2021 (प्र.पा.)

3. किस रचना के बारे में प्रसिद्ध है कि इसे पढ़ने के लिए बहुत से लोगों ने हिंदी सीखी?
(A) परीक्षागरु
(B) चंद्रकांता
(C) गोदान
(D) अद्‌भुत लाश
UPSI परीक्षा, 02-12-2021 (प्र.पा.)

4. वर्तमान हिंदी का प्रचलित रूप इनमें से कौन-सा है?
(A) खड़ी बोली (B) अवधी
(C) ब्रजभाषा (D) देवनागरी
UPSI परीक्षा, 02-12-2021 (द्वि.पा.)

5. राजभाषा सम्बन्धी प्रावधानों का उल्लेख भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में है?
(A) 443-135 (B) 34-315
(C) 343-351 (D) 334-153
UPSI परीक्षा, 02-12-2021 (द्वि.पा.)

6. अधिकतर भारतीय भाषाओं का विकास किस लिपि से हुआ?
(A) ब्राह्मी
(B) खरोष्ठी लिपि
(C) कुटिल लिपि
(D) शारदा लिपि
UPSI परीक्षा, 02-12-2021 (तृ.पा.)

7. भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में कितनी भाषाएँ शामिल हैं?
(A) 26 (B) 22
(C) 15 (D) 24
UPSI परीक्षा, 01-12-2021 (प्र.पा.)/(द्वि.पा.)

8. पंजाबी भाषा का उद्‌भव किस अपभ्रंश से माना जाता है?
(A) पैशाची अपभ्रंश
(B) शौरसेनी अपभ्रंश
(C) अर्द्धमागधी अपभ्रंश
(D) ब्राचड़ अपभ्रंश
UPSI परीक्षा, 01-12-2021 (द्वि.पा.)

9. गारो किस राज्य में बोली जाती है?
(A) त्रिपुरा (B) सिक्किम
(C) मेघालय (D) मणिपुर
UPSI परीक्षा, 01-12-2021 (द्वि.पा.)

10. इनमें से कौन–सी भाषा द्रविड़ भाषा नहीं है?
(A) मलयालम (B) तेलुगु
(C) तमिल (D) सौराष्ट्र
UPSI परीक्षा, 29-11-2021 (प्र.पा.)

11. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग भारत सरकार के किस मंत्रालय के तहत है?
(A) गृह मंत्रालय
(B) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
(C) शिक्षा मंत्रालय
(D) विधि मंत्रालय
UPSI परीक्षा, 29-11-2021 (प्र.पा.)

12. पहला विश्व हिंदी सम्मेलन किस वर्ष संपन्न हुआ था?
(A) 1976 (B) 1993
(C) 1975 (D) 1983
UPSI परीक्षा, 29-11-2021 (प्र.पा.)

13. गारो किस राज्य में बोली जाती है?
(A) मणिपुर (B) त्रिपुरा
(C) सिक्किम (D) मेघालय
UPSI परीक्षा, 29-11-2021 (द्वि.पा.)

14. ग्यारहवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन किस वर्ष संपन्न हुआ था?
(A) 2018 (B) 2012
(C) 2019 (D) 2015
UPSI परीक्षा, 29-11-2021 (द्वि.पा.)

15. यह बोली पूर्वी हिंदी वर्ग की बोली नहीं है।
(A) बुन्देली (B) अवधी
(C) छत्तीसगढ़ी (D) बघेली
UPSI परीक्षा, 29-11-2021 (तृ.पा.)

16. छठा विश्व हिंदी सम्मेलन किस वर्ष संपन्न हुआ था?
(A) 1999 (B) 2003
(C) 1993 (D) 1996
UPSI परीक्षा, 28-11-2021 (प्र.पा.)

17. इनमें से किसे 'पूरबी' भी कहते हैं?
(A) मैथिली (B) ब्रज
(C) भोजपुरी (D) बुंदेली
UPSI परीक्षा, 28-11-2021 (प्र.पा.)

18. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में उल्लेख मिलता है कि हिंदी का विकास करना भारत सरकार का दायित्व है?
(A) 350 (B) 344
(C) 343 (D) 351
UPSI परीक्षा, 28-11-2021 (प्र.पा.)

19. 'हिंदी का प्रहरी' इनमें से किसे कहा जाता है?
(A) मदनमोहन मालवीय
(B) पुरुषोत्तमदास टंडन
(C) महात्मा गाँधी
(D) काका कालेलकर
UPSI परीक्षा, 28-11-2021 (द्वि.पा.)

20. किस तिथि को भारत के संविधान में हिंदी को भारत की राजभाषा की मान्यता प्रदान की गई?
(A) 14 सितम्बर, 1949
(B) 14 सितम्बर, 1951
(C) 14 सितम्बर, 1948
(D) 14 सितम्बर, 1950
UPSI परीक्षा, 28-11-2021 (द्वि.पा.)

21. भारत में 'हिंदी' किस वर्ग के अंतर्गत शामिल है?
(A) राजभाषा (B) राष्ट्रभाषा
(C) काव्यभाषा (D) तकनीकी भाषा
UPSI परीक्षा, 28-11-2021 (तृ.पा.)

22. पूर्वी हिंदी का उद्‌भव किस अपभ्रंश से हुआ है?
(A) पैशाची अपभ्रंश
(B) शौरसेनी अपभ्रंश
(C) अर्धमागधी अपभ्रंश
(D) नागरी अपभ्रंश
UPSI परीक्षा, 27-11-2021 (प्र.पा.)

23. इनमें से कौन-सी भाषा द्रविड़ भाषा नहीं है?
(A) तमिल (B) मलयालम
(C) मराठी (D) तेलुगू
UPSI परीक्षा, 27-11-2021 (द्वि.पा.)

24. विश्व हिंदी सचिवालय कहाँ है?
(A) अमेरिका (B) लंदन
(C) भारत (D) मॉरिशस
UPSI परीक्षा, 27-11-2021 (द्वि.पा.)

25. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में हिंदी भाषा के विकास के लिए निर्देश हैं?
(A) 343 (B) 344
(C) 351 (D) 348
UPSI परीक्षा, 27-11-2021 (द्वि.पा.)

26. सूरीनाम, मॉरीशस, गुयाना में बोली जाने वाली बोली कौन-सी है?
(A) राजस्थानी (B) ब्रज
(C) भोजपुरी (D) गढ़वाली
UPSI परीक्षा, 27-11-2021 (तृ.पा.)

27. इनमें से -'ढूँढाणी' को अन्य किस नाम से जाना जाता है?
(A) मारवाड़ी (B) जयपुरी
(C) राजस्थानी (D) मेवाती
UPSI परीक्षा, 25-11-2021 (द्वि.पा.)

28. प्राकृत का 'पाणिनी' किसे कहा जाता है?
(A) मार्कण्डेय (B) हेमचन्द्र
(C) विद्यानाथ (D) विद्याभूषण
UPSI परीक्षा, 25-11-2021 (द्वि.पा.)

29. किशोरीलाल गुप्त की पुस्तक हिंदी साहित्य का प्रथम इतिहास इनमें से किस पुस्तक का अनुवाद है?
(A) इस्तवार द ला लित्रेत्युर एन्दुई हिन्दुस्तानी
(B) ए हिस्ट्री ऑफ हिंदी लिटरेचर
(C) द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान
(D) स्केच ऑफ हिंदी लिटरेचर
UPSI परीक्षा, 25-11-2021 (द्वि.पा.)

30. 'नई समीक्षा' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किस विद्वान ने किया था?
(A) आई.आर. रिचर्ड्स
(B) स्पिन्गार्न
(C) नार्थ फ्राइप
(D) स्पेंगलर
UPSI परीक्षा, 25-11-2021 (द्वि.पा.)

31. 'भाटभाषा' इनमें से किसे कहा गया है?
(A) डिंगल (B) पिंगल
(C) ब्रज (D) बुन्देली
UPSI परीक्षा, 25-11-2021 (तृ.पा.)

32. भाषा की दृष्टि से हिंदी प्रदेश के अंतर्गत निम्न में से कौन शामिल नहीं है?
(A) बिहार (B) हिमाचल प्रदेश
(C) दिल्ली (D) आंध्र प्रदेश
UPSI परीक्षा, 24-11-2021 (प्र.पा.)

33. हिंदी भाषा के उद्‌भव का सही अनुक्रम क्या है?
(A) अपभ्रंश, प्राकृत, पालि, हिंदी
(B) हिंदी, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
(C) प्राकृत, हिंदी, अपभ्रंश, पालि
(D) पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, हिंदी
UPSI परीक्षा, 24-11-2021 (प्र.पा.)

34. इनमें से किस जिले में 'कन्नौजी बोली जाती है?
(A) उरई (B) झाँसी
(C) हरदोई (D) जालौन
UPSI परीक्षा, 24-11-2021 (द्वि.पा.)

35. भारत में कितने प्रकार के भाषा-परिवार पाए जाते हैं?
(A) चार (B) छह
(C) पाँच (D) सात
UPSI परीक्षा, 24-11-2021 (द्वि.पा.)

36. 'बघेली का प्रमुख क्षेत्र कौन-सा है?
(A) मिर्जापुर (B) गोरखपुर
(C) देवरिया (D) शाहाबाद
UPSI परीक्षा, 24-11-2021 (द्वि.पा.)

37. केंद्रीय हिंदी निदेशालय का मुख्यालय कहाँ है?
(A) हैदराबाद (B) नई दिल्ली
(C) आगरा (D) गुवाहाटी
UPSI परीक्षा, 24-11-2021 (तृ.पा.)

38. मैथिली किस राज्य में ज्यादा बोली जाती है?
(A) पंजाब (B) बिहार
(C) छत्तीसगढ़ (D) राजस्थान
UPSI परीक्षा, 24-11-2021 (तृ.पा.)

39. केंद्र सरकारी कर्मचारियों के हिंदी प्रशिक्षण हेतु गठित केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान किस विभाग के तहत कार्यरत है?
(A) विधायी विभाग
(B) राजभाषा विभाग
(C) साहित्य अकादमी
(D) उच्चतर शिक्षा विभाग
UPSI परीक्षा, 24-11-2021 (तृ.पा.)

40. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
(A) असमिया, उड़िया का विकास मागधी अपभ्रंश से नहीं हुआ है।
(B) अवधी और बघेली बोलियों का विकास पूर्वी हिंदी से हुआ है।
(C) हरियाणवी, ब्रजभाषा बोलियों का विकास बिहारी उपभाषा से नहीं हुआ है।
(D) पूर्वी हिंदी का विकास अर्धमागधी अपभ्रंश से हुआ है।
UPSI परीक्षा, 24-11-2021 (प्र.पा.)

41. छठा विश्व हिंदी सम्मेलन कहाँ संपन्न हुआ था?
(A) लंदन (ब्रिटेन)
(B) नई दिल्ली (भारत)
(C) पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदादल)
(D) पोर्ट लुई (मॉरीशस)
UPSI परीक्षा, 23-11-2021 (प्र.पा.)

42. 'लहँदा' का विकास किससे हुआ है?
(A) राजस्थानी (B) पैशाची
(C) गढ़वाली (D) मागधी
UPSI परीक्षा, 22-11-2021 (प्र.पा.)

43. पाँचवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन–कहाँ संपन्न हुआ था।
(A) नई दिल्ली
(B) पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदाद)
(C) पोर्ट लुई (मॉरिशस)
(D) लंदन (ब्रिटेन)
UPSI परीक्षा, 22-11-2021 (प्र.पा.)

44. हिन्दी की विकास प्रदान करने वाली भाषा कौन–सी है
(A) प्राकृत (B) अपभ्रंश
(C) पाली (D) संस्कृत
[UPSI परीक्षा 2017]

45. 'खड़ी बोली' इनमें से किस अपभ्रंश से निकली है?
(A) मागधी (B) शौरसेनी
(C) अर्धमागधी (D) ब्राचड़
UPSI परीक्षा, 22-11-2021 (द्वि.पा.)

46. पूर्वी हिंदी की दो बोलियों का सही युग्म इनमें से कौन-सा है?
(A) अवधी-ब्रजभाषा
(B) मगही-बघेली
(C) छत्तीसगढ़ी-गढ़वाली
(D) अवधी-छत्तीसगढ़ी
UPSI परीक्षा, 22-11-2021 (द्वि.पा.)

47. 'संवेदनात्मक ज्ञान' और 'ज्ञानात्मक संवेदन' सूत्र के प्रयोक्ता हैं–
(A) मनोहर श्याम जोशी
(B) केदार नाथ सिंह
(C) मुक्तिबोध
(D) रमेश कुन्तल मेघ
UPSI परीक्षा, 22-11-2021 (द्वि.पा.)

48. दूसरा विश्व हिंदी सम्मेलन किस वर्ष संपन्न हुआ था?
(A) 1983 (B) 1993
(C) 1976 (D) 1975
UPSI परीक्षा, 22-11-2021 (तृ.पा.)

49. इनमें से कौन-सी भाषा द्रविड़ भाषा है?
(A) बांग्ला (B) मराठी
(C) तुलु (D) ओड़िया
UPSI परीक्षा, 22-11-2021 (तृ.पा.)

50. दूसरा विश्व हिंदी सम्मेलन कहाँ संपन्न हुआ था?
(A) पोर्ट लुई (मॉरिशस)
(B) नई दिल्ली
(C) पोर्ट ऑफ स्पेन
(D) लंदन (ब्रिटेन)
UPSI परीक्षा, 21-11-2021 (प्र.पा.)

51. ब्रजभाषा का विकास किस अपभ्रंश से हुआ है?
(A) शौरसेनी (B) अर्धमागधी
(C) मागधी (D) पैशाची
UPSI परीक्षा, 21-11-2021 (प्र.पा.)

52. साहित्य अकादमी की स्थापना कब हुई थी?
(A) 12 मार्च, 1954 (B) 4 मार्च, 1955
(C) 10 मार्च, 1956 (D) 10 मई, 1956
UPSI परीक्षा, 21-11-2021 (द्वि.पा.)

53. पालि भाषा का सम्बन्ध निम्न में से किस साहित्य से मुख्य रूप से जुड़ा हुआ है?
(A) सिद्ध साहित्य
(B) इनमें से कोई नहीं
(C) बौद्ध साहित्य
(D) जैन साहित्य
UPSI परीक्षा, 21-11-2021 (द्वि.पा.)

54. पालि भाषा का अन्य नाम क्या है?
(A) अपभ्रंश (B) प्राकृत
(C) ब्राचड़ (D) मागधी
UPSI परीक्षा, 21-11-2021 (तृ.पा.)

55. 'हाड़ौती' बोली है–
(A) पूर्वी राजस्थान की
(B) दक्षिणी राजस्थान की
(C) पश्चिमी राजस्थान की
(D) उत्तरी राजस्थान की
UPSI परीक्षा, 21-11-2021 (तृ.पा.)

56. केंद्र सरकारी कर्मचारियों के हिंदी प्रशिक्षण हेतु संचालित होने वाले पाठ्यक्रमों में इनमें से कौन-सा शामिल नहीं है?
(A) प्रबोध (B) प्रवीण
(C) पारंगत (D) निष्णात
UPSI परीक्षा, 20-11-2021 (प्र.पा.)

57. चौथा विश्व हिंदी सम्मेलन किस वर्ष संपन्न हुआ था?
(A) 1993 (B) 1996
(C) 1999 (D) 2003
UPSI परीक्षा, 20-11-2021 (प्र.पा.)

58. विश्व हिंदी दिवस कब मनाया जाता है?
(A) 26 जनवरी (B) 15 अगस्त
(C) 14 सितंबर (D) 10 जनवरी
UPSI परीक्षा, 20-11-2021 (द्वि.पा.)

59. छत्तीसगढ़ी किस हिंदी की बोली है?
(A) पश्चिमी हिंदी (B) पहाड़ी
(C) राजस्थानी हिंदी (D) पूर्वी हिंदी
UPSI परीक्षा, 20-11-2021 (तृ.पा.)

60. सिन्धी भाषा का विकास किस अपभ्रंश से हुआ?
(A) शौरसेनी (B) पैशाची
(C) मागधी (D) ब्राचड़
UPSI परीक्षा, 17-11-2021 (प्र.पा.)

61. पाली भाषा के सर्वप्रथम वैयाकरण कौन हैं?
(A) पंतजलि (B) पाणिनी
(C) कच्चायन (D) हेमचन्द्र
UPSI परीक्षा, 16-11-2021 (प्र.पा.)

62. 'बनाफरी' इनमें से किस बोली की उप-बोली है?
(A) कौरवी (B) बघेली
(C) ब्रज (D) इनमें से कोई नहीं
UPSI परीक्षा, 16-11-2021 (प्र.पा.)

63. निम्नलिखित बोलियों में से किस बोली का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से नहीं हुआ है?
(A) बघेली (B) बुन्देली
(C) कन्नौजी (D) ब्रजभाषा
UPSI परीक्षा, 16-11-2021 (तृ.पा.)

64. इनमें से हिन्दी की वह चर्चित रचना कौन–सी है जिस पर लोकप्रिय टीवी सिरियल बना था?
(A) परीक्षागुरु (B) चंद्रकांता
(C) गोदान (D) आधा गाँव
UPSI परीक्षा, 14-11-2021 (प्र.पा.)

65. भारतीय संविधान के अनुसार हिंदी के साथ–साथ अंग्रेजी का प्रयोग कितने वर्षों तक करने का सुझाव दिया गया था?
(A) 14 वर्षों तक (B) 15 वर्षों तक
(C) 20 वर्षों तक (D) हमेशा
UPSI परीक्षा, 14-11-2021 (प्र.पा.)

66. खड़ी बोली या कौरवी का उद्भव शौरसेनी अपभ्रंश के निम्नलिखित में किस रूप से हुआ है?
(A) उत्तरी रूप (B) दक्षिणी रूप
(C) मध्यवर्ती रूप (D) इनमें से कोई नहीं
UPSI परीक्षा, 14-11-2021 (द्वि.पा.)

67. इनमें से कौन–सी भाषा भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं है?
(A) सिंधी (B) कन्नड़
(C) नेपाली (D) तुलु
UPSI परीक्षा, 14-11-2021 (तृ.पा.)

68. भारत में भाषा के आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का गठन हुआ?
(A) पंजाब
(B) जम्मू–कश्मीर
(C) आंध्र प्रदेश
(D) बिहार
UPSI परीक्षा, 13-11-2021 (द्वि.पा.)

69. "भाषा संवर्धिनी सभा' कहाँ स्थापित की गई थी?
(A) वाराणसी (B) अलीगढ़
(C) प्रयाग (D) देवरिया
UPSI परीक्षा, 13-11-2021 (तृ.पा.)

70. इनमें से किस राज्य की मुख्य राज्यभाषा हिंदी नहीं है?
(A) हिमाचल प्रदेश (B) झारखंड
(C) असम (D) छत्तीसगढ़
UPSI परीक्षा, 13-11-2021 (तृ.पा.)

71. निम्नलिखित में से प्राचीन भारतीय आर्य भाषा कौन–सी है?
(A) अपभ्रंश (B) प्राकृत
(C) वैदिक संस्कृत (D) पालि
[UPSI परीक्षा 2017]

72. "हाड़ौती" बोली कहाँ बोली जाती है?
(A) राजस्थान (B) हरियाणा
(C) मध्य प्रदेश (D) उत्तर प्रदेश
[UPSI परीक्षा 2017]

73. हिन्दी को राजभाषा का दर्जा मिला।
(A) 15 अगस्त, 1947 (B) 14 सितंबर, 1949
(C) 26 नवंबर, 1949 (D) 26 जनवरी, 1950
[UPSI परीक्षा 2017]

74. हिन्दी भारत की कौन–सी भाषा है?
(A) राज्यभाषा (B) ब्रजभाषा
(C) राष्ट्रभाषा (D) सम्पर्क भाषा
[UPSI परीक्षा 2017]

75. "पद्मावत महाकाव्य" कौन–सी भाषा में लिखा है?
(A) राजस्थानी (B) खड़ी बोली
(C) अवधी (D) ब्रज
[UPSI परीक्षा 2017]

76. 'मथुरा, आगरा, धौलपुर, ग्वालियर आदि' क्षेत्र में निम्नलिखित में से कौन–सी बोली, बोली जाती है?
(A) खड़ी बोली (B) अवधी
(C) बांगरू (D) ब्रजभाषा
[UPSI परीक्षा 2017]

77. 'राँघड़ी बोली' कहाँ बोली जाती है?
(A) केरल (B) हरियाणा
(C) मध्य प्रदेश (D) उत्तर प्रदेश
[UPSI परीक्षा 2017]

78. इनमें से कौन–सी बोली मध्य प्रदेश की प्रमुख बोलियों में से नहीं है?
(A) मालवी (B) बाँगरू
(C) निमाड़ी (D) बुन्देली
[UPSI परीक्षा 2017]

79. रोमन लिपि का प्रयोग किस भाषा के लिए नहीं होता है?
(A) कुल्लुई (B) फ्रेंच
(C) जर्मन (D) स्पेनिश
[UPSI परीक्षा 2017]

80. किस वर्ष में हिन्दी भाषा को कार्यान्वित करने का प्रस्ताव था?
(A) 14 सितम्बर 1950
(B) 14 सितम्बर 1949
(C) 14 सितम्बर 1960
(D) 14 सितम्बर 1964
[UPSI परीक्षा 2017]

81. "कन्नौजी बोली" मुख्य रूप से निम्न में से कौन–से जिले में बोली जाती है?
(A) कानपुर (B) इलाहाबाद
(C) फर्रुखाबाद (D) मुरादाबाद
[UPSI परीक्षा 2017]

82. हिन्दी के स्थान पर अंग्रेजी को सन् 1855 में भारत की शिक्षा और प्रशासन की भाषा के रूप में किसने स्थापित किया?
(A) द लार्ड मिंटो (B) जान एडिम्स
(C) लार्ड मेकाले (D) वारेन हस्टिंग
[UPSI परीक्षा 2017]

83. भाषा के क्षेत्रीय रूप को क्या कहा जाता है?
(A) राज्य भाषा (B) साहित्य
(C) राष्ट्रभाषा (D) बोली
[UPSI परीक्षा 2017]

84. "बाँगरु" भाषा ज्यादातर कौन–सी राज्य में बोली जाती है?
(A) हरियाणा (B) कर्नाटक
(C) तमिलनाडु (D) बिहार
[UPSI परीक्षा 2017]

85. हिन्दी का मानक रूप किस भाषा से विकसित हुआ है?
(A) मालवी (B) ब्रज
(C) खड़ी बोली (D) अवधी
[UPSI परीक्षा 2017]

86. जनगणना, 2001 के हिसाब से भारत में निम्नलिखित भाषाओं में से सबसे अधिक कौन–सी भाषा बोली जाती है?
(A) गुजराती (B) मराठी
(C) बंगाली (D) तमिल
[UPSI परीक्षा 2017]

87. संसार की प्रमुख भाषाओं में हिन्दी का स्थान है।
(A) पहला (B) दूसरा
(C) तीसरा (D) चौथा
[UPSI परीक्षा 2017]

व्याख्यात्मक हल

1. (B) बेगमपुरा की अवधारणा संत रविदास ने दी थी यह एक राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक अवधारणा थी। बेगमपुरा को ऐसा देश माना गया था जहाँ कोई दु:ख न हो।

2. (D) प्रथम राजभाषा आयोग के अध्यक्ष बी. जी. खेर थे। भारतीय संविधान के भाग 17 में हिंदी को राजभाषा घोषित किया है। (अनुच्छेद 343(i)।

3. (B) 'चंद्रकांता' देवकी नन्दन खत्री द्वारा रचित एक लोकप्रिय तिलस्मी उपन्यास है, जिसके बारे में कहा जाता है कि इसे पढ़ने के लिए बहुत से लोगों ने हिंदी सीखी। इस पर आधारित एक टी.वी. सीरियल (चन्द्रकांता) भी बना है।

4. (A) वर्तमान हिंदी का प्रचलित रूप 'खड़ी बोली' है। भाषा विज्ञान की दृष्टि से इसे आदर्श हिंदी, उर्दू, तथा हिन्दुस्तानी की आधार स्वरूप बोली होने का गौरव प्राप्त है।

5. (C) राजभाषा सम्बन्धी प्रावधान भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343-351 में उल्लिखित है। अत: विकल्प (C) सही है।

6. (A) अधिकतर भारतीय भाषाओं का विकास ब्राह्मी लिपि से हुआ है। अत: विकल्प (A) सही है।

7. (B) भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता दी गयी है। अत: विकल्प (B) सही है।

8. (A) पंजाबी भाषा का उद्भव पैशाची अपभ्रंश से माना जाता है। अत: विकल्प (A) सही है।

9. (C) 'गारो' भाषा मेघालय राज्य में बोली जाती है। अत: विकल्प (C) सही है।

10. (D) मलयालम, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ आदि भाषाएँ द्रविण परिवार की भाषाएँ हैं, जबकि सौराष्ट्र द्रविड़ परिवार की भाषा नहीं है। यह गुजराती भाषा की एक बोली है।

11. (C) "वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग" केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधीन गठित है। इस आयोग का गठन 1961 ई. में हुआ था।

12. (C) पहला विश्व हिंदी सम्मेलन 10 जनवरी से 14 जनवरी तक 1975 में नागपुर में आयोजित हुआ था। राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा के सहयोग से यह ऐतिहासिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ था।

13. (D) 'गारो' भाषा मेघालय राज्य में बोली जाती है। अन्य विकल्पों में दिए गए राज्यों में बोली जाने वाली भाषा निम्नवत् है–
मणिपुर – मणिपुरी
त्रिपुरा – बंगाली, हिंदी
सिक्किम - नेपाली, हिंदी

14. (A) ग्यारवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन मॉरिशस में 18 से 20 अगस्त के मध्य 2018 में हुआ था। अत: विकल्प (A) सही है।

15. (C) विकल्प (A) में दी गई बोली 'बुन्देली' पूर्वी हिंदी वर्ग के अन्तर्गत नहीं बल्कि पश्चिमी हिंदी के अन्तर्गत आती है। पश्चिमी हिंदी का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ है।

16. (A) छठा विश्व हिन्दी सम्मेलन 14 सितम्बर से 18 सितम्बर, 1999 में लन्दन में आयोजित हुआ था, जिसमें 21 देशों ने प्रतिभाग किया था।
पहला विश्व हिंदी सम्मेलन 1975 में नागपुर में हुआ था।

17. (C) भोजपुरी हिन्दी की बोली है, इस पूरबी या पुरबिया भी कहा जाता है, जबकि ब्रज और बुन्देली पश्चिमी हिन्दी से विकसित हैं।

18. (D) संविधान के भाग 17 के अनुच्छेद 343 में हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया तथा अनुच्छेद 351 में हिंदी के विकास का दायित्व भारत सरकार पर प्रभारित किया है।

19. (B) पुरुषोत्तम दास टंडन को हिंदी का प्रहरी कहा जाता है। इनको सन 1961 में भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

20. (B) 14 सितम्बर सन् 1949 को हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया है। संविधान की धारा 343(1) के अनुसार भारतीय संघ की राजभाषा हिंदी एवं लिपि देवनागरी है।

21. (A) भारत में हिंदी राजभाषा के अन्तर्गत शामिल है। संविधान सभा ने 14 सितम्बर सन् 1949 को हिंदी को भारत की राजभाषा स्वीकार किया।

22. (C) पूर्वी हिंदी का उद्भव अर्धमागधी अपभ्रंश से हुआ है। पूर्वी हिंदी उपभाषा के अन्तर्गत अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी बोलियाँ आती हैं।

23. (C) मराठी भाषा द्रविड़ भाषा नहीं है। अत: विकल्प (C) सही है।

24. (D) विश्व हिंदी सचिवालय मॉरिशस में स्थित है। अत: विकल्प (D) सही है।

25. (C) भारतीय संविधान के अनुच्छेद '351' में हिंदी भाषा के विकास के लिए निर्देश हैं।

26. (C) 'सूरीनाम, मॉरीशस, गुयाना में भोजपुरी बोली, बोली जाती है। अत: विकल्प (C) सही है।

27. (B) 'ढूँढाणी' बोली को जयपुरी नाम से भी जाना जाता है। राजस्थान के पूर्वी भाग जयपुर, अजमेर, किशनगढ़ आदि में यह बोली, बोली जाती है। इसका केन्द्र जयपुर है।

28. (B) प्राकृत का पाणिनी 'हेमचन्द्र' को कहा गया है। अत: विकल्प (B) सही है।

29. (C) किशोरीलाल गुप्त की पुस्तक 'हिंदी साहित्य का प्रथम इतिहास' विकल्प (C) में दी गई पुस्तक द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान का अनुवाद है। अत: विकल्प (C) सही है।

30. (B) 'नई समीक्षा' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम 'स्पिन्गार्न' ने किया था। अत: विकल्प (B) सही है।

31. (A) 'डिंगल' भाषा को भाटभाषा कहा गया है। राजस्थान के चारण कवियों ने अपने गीतों के लिए जिस साहित्यिक शैली का प्रयोग किया है, उसे डिंगल कहा जाता है।

32. (D) आंध्र प्रदेश भाषा की दृष्टि से हिंदी प्रदेश के अन्तर्गत नहीं आता है। आंध्र प्रदेश की आ. धिकारिक भाषा तेलुगू है। बिहार, हिमाचल प्रदेश तथा दिल्ली में हिंदी भाषा बोली जाने के कारण हिंदी प्रदेश के अन्तर्गत आते हैं।

33. (D) हिंदी भाषा के उद्‌भव का सही अनुक्रम विकल्प है—पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, हिंदी। पहली प्राकृत को पालि भाषा कहा जाता है। जिसका समय 500 ई.पू. से 1 ई. तक, दूसरी प्राकृत जिसका समय 1 ई. से 500 ई. तक, तीसरी अपभ्रंश जिसका समय 500 ई. से 1000 ई. तक, चौथी हिंदी जिसका समय 1000 ई. से अब तक है।

34. (C) 'हरदोई जिले में कन्नौजी बोली' बोली जाती है। हरदोई के अतिरिक्त इटावा, शाहजहाँपुर, कानपुर, पीलीभीत आदि जिलों में भी कन्नौजी बोली, बोली जाती है।

35. (C) भारत में 'पाँच' प्रकार के भाषा परिवार पाये जाते हैं।
(1) आर्य भाषा परिवार
(2) द्रविड़ भाषा परिवार
(3) आस्ट्रोएशियाटिक भाषा परिवार
(4) चीनी-तिब्बती भाषा परिवार
(5) अंडमानी भाषा परिवार

36. (A) बघेली बोली का प्रमुख क्षेत्र 'मिर्जापुर' है। बघेली बोली पूर्वी हिंदी के अन्तर्गत आती है।

37. (B) केंद्रीय हिंदी निदेशालय का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। यह भारत सरकार का एक विभाग है जो मानक हिंदी के प्रचार के लिए उत्तरदायी है।

38. (B) 'मैथिली' बोली बिहार राज्य में ज्यादा बोली जाती है। मैथिली बोली का विकास 'मागधी अपभ्रंश' से हुआ है।

39. (B) केंद्र सरकारी कर्मचारियों के हिंदी प्रशिक्षण हेतु गठित केंद्रीय हिंदी संस्थान राजभाषा विभाग के तहत कार्यरत है। अतः विकल्प (B) सही है।

40. (A) विकल्प (A) में दिया गया कथन कि असमिया, उड़िया का विकास मागधी, अपभ्रंश से नहीं हुआ है यह कथन गलत है, क्योंकि असमिया, उड़िया, बिहारी तथा बांग्ला भाषा का विकास मागधी अपभ्रंश से हुआ है।

41. (A) छठा विश्व हिन्दी सम्मेलन
स्थान—लंदन (ब्रिटेन)
अवधि—14–18 सितम्बर, 1999
प्रतिभागी देश—21
प्रतिनिधियों की संख्या—700

42. (B) लहँदा का विकास पैशाची से हुआ है। अतः विकल्प (B) सही है।

43. (B) पाँचवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन पोर्टऑफ स्पेन (त्रिनिदाद) में आयोजित हुआ था।
प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन 1975 में नागपुर में आयोजित हुआ था।
10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

44. (B) हिन्दी को विकास प्रदान करने वाली भाषा अपभ्रंश है। हिन्दी का विकास क्रम इस प्रकार है—
संस्कृत → पाली → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ट → हिन्दी।

45. (B) खड़ी बोली पश्चिमी हिंदी उपभाषा के अन्तर्गत आती है। खड़ी बोली शौरसेनी अपभ्रंश से निकली है। पश्चिमी हिंदी के अन्तर्गत खड़ी बोली के अतिरिक्त ब्रजभाषा, हरियाणवी, बुंदेली तथा कन्नौजी बोलियाँ आती हैं।

46. (D) पूर्वी हिंदी के अन्तर्गत 'अवधी और छत्तीसगढ़ी' बोलियाँ आती हैं। पूर्वी हिंदी का विकास अर्द्धमागधी अपभ्रंश से हुआ है।

47. (C) 'संवेदनात्मक ज्ञान' और 'ज्ञानात्मक संवेदन' सूत्र के प्रयोक्ता गजानन माधव मुक्तिबोध हैं। मुक्तिबोध एक रचनाकार होने के साथ-साथ एक शिक्षक भी थे। वे शिक्षा और मनोविज्ञान का चोली-दामन का साथ मानते हैं।

48. (C) दूसरा विश्व हिंदी सम्मेलन मॉरिशस की राजधानी पोर्ट लुई में सन् 1976 में 28 अगस्त से 30 अगस्त तक चला था। विश्व हिंदी सम्मेलन हिंदी भाषा का सबसे बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन है। इसमें विश्व भर से विद्वान, साहित्यकार भाषा विज्ञानी, विषय विशेषज्ञ तथा पत्रकार एकत्रित होते हैं।

49. (C) विकल्प (C) में दी गई भाषा 'तुलु' एक द्रविड़ भाषा है। यह कर्नाटक राज्य के पश्चिमी किनारे में स्थित दक्षिणी कन्नड़ और उडुपि जिलों में तथा उत्तरी केरल के कुछ भागों की प्रचलित भाषा है। पहले ब्राह्मण वैदिक और संस्कृत साहित्य लिखने के लिए तिगलारि नामक लिपि का उपयोग करते थे। अब तुलु लिखने के लिए कन्नड़ लिपि का प्रयोग किया जाता है। दक्षिण कन्नड़ तथा उडुपि जिलों के अधिकांश लोगों की मातृभाषा तुलु है।

50. (A) दूसरा विश्व हिंदी सम्मेलन पोर्ट लुई मॉरीशस में सम्पन्न हुआ था। अतः विकल्प (A) सही है।

51. (A) ब्रजभाषा का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ है। अतः विकल्प (A) सही है।

52. (A) साहित्य अकादमी की स्थापना 12 मार्च 1954 को हुई थी। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' इसी संस्था द्वारा प्रदान किया जाता है।

53. (C) बौद्ध साहित्य पाली भाषा में लिखा गया है तथा सिद्ध साहित्य अपभ्रंश भाषा में और जैन साहित्य संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश में लिखा गया है।

54. (D) पालि भाषा का अन्य नाम मागधी है। संस्कृत से हिन्दी तक भाषाओं का क्रम इस प्रकार है—
संस्कृत → पाली → प्राकृत → अपभ्रंश → हिन्दी।

55. (A) 'हाड़ौती' पूर्वी राजस्थान की बोली है। यह बोली राजस्थान के कोटा, बूँदी तथा आसपास के क्षेत्र में बोली जाती है।

56. (D) केंद्र सरकारी कर्मचारियों के हिंदी प्रशिक्षण हेतु संचालित होने वाले पाठ्यक्रमों में 'निष्णात' शामिल नहीं है। अतः विकल्प (D) सही है।

57. (A) चौथा विश्व हिंदी सम्मेलन 1993 में 2 दिसम्बर से 4 दिसम्बर के दौरान मॉरीशस की राजधानी पोर्ट लुई में आयोजित किया गया

58. (D) विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी को मनाया जाता है जबकि राष्ट्रीय हिन्दी दिवस 14 सितंबर को मनाया जाता है।

59. (D) छत्तीसगढ़ी बोली का विकास पूर्वी हिंदी से हुआ है।

60. (D) 'सिन्धी' भाषा का विकास 'ब्राचड़' अपभ्रंश से हुआ है। अतः विकल्प (D) सही है।

61. (C) कच्चायन पाली भाषा के सर्वप्रथम वैयाकरण थे। वह बुद्ध भगवान के दस शिष्यों में से एक परम ऋद्धि मान शिष्य थे।

62. (D) 'बनाफरी' बुन्देली की उप-बोली है। अतः विकल्प (D) सही है।

63. (A) शौरसैनी अपभ्रंश से बुन्देली, कन्नौजी, ब्रजभाषा, खड़ी बोली, आदि बोलियाँ हैं जबकि बघेली पूर्वी हिन्दी से विकसित है।

64. (B) देवकी नंदन खत्री द्वारा लिखित उपन्यास 'चद्रकांता' पर आधारित लोकप्रिय टीवी सीरियल बना है। जिसका निर्देशन नीरजा गुलेरी ने किया था।

65. (B) भारतीय संविधान के भाग 17 के अनुच्छेद 343 (i) के अनुसार हिन्दी को राजभाषा घोषित किया गया है, परन्तु 15 वर्षों तक हिन्दी के साथ–साथ अंग्रेजी का प्रयोग करने का सुझाव दिया गया था।

66. (A) खड़ी बोली को कौरवी के नाम से भी जाना जाता है इसका विकास शौरसैनी अपभ्रंश के उत्तरी रूप से हुआ है। अतः विकल्प (A) सही है।

67. (D) भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भारतीय भाषाओं का उल्लेख है प्रश्न के सन्दर्भ में सिंधी, कन्नड़, नेपाली आठवीं अनुसचूी में शामिल हैं। तुलु का उल्लेख आठवीं अनुसूची में नहीं है।

68. (C) भारत में भाषायी आधार पर सर्वप्रथम आंध्र प्रदेश का गठन 1 नवंबर, 1956 को किया गया था।

69. (B) 'भाषा संवर्धिनी सभा' का गठन बाबू तोता राम ने अलीगढ़ में किया था। ये 'भारत बंधु' नामक पत्र के सम्पादक भी थे।

70. (C) असम की सरकारी कामकाज की भाषा (राजभाषा) असमिया और अंग्रेजी हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश, झारखण्ड छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में हिन्दी कामकाजी भाषा है।

71. (C) दिये गये विकल्पों में से 'प्राचीन भारतीय आर्य भाषा' 'वैदिक संस्कृत' को कहा जाता है। शेष तीनों भाषाएँ पालि, प्राकृत, अपभ्रंश इसकी परवर्ती है।

72. (A) 'हाड़ौती' बोली राजस्थान में बोली जाती है। यह राजस्थान के पूर्वी क्षेत्र अर्थात् कोटा बूंदी तथा चित्तौड़ की मुख्य बोली है। राजस्थान में बोली जाने वाली अन्य बोलियाँ मारवाड़ी, मेवाती, मालवी और जयपुरी हैं।

73. (B) राजभाषा का शाब्दिक अर्थ है—राजकाज की भाषा जो भाषा राजकीय कार्यों के लिए प्रयुक्त होती है, वह 'राजभाषा' कहलाती है। हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में 14 सितम्बर 1949 ई. को स्वीकार किया गया था।

74. (D) हिन्दी भारत की 'सम्पर्क भाषा' है।

75. (C) 'पद्मावत' मलिक मुहम्मद जायसी की कालजयी रचना है, जिसे 'अवधी भाषा' में लिखा गया है। इसमें चित्तौड़ के राजा 'रत्नसेन' एवं सिंहल की राजकुमारी 'पद्मावती' के प्रेम और विवाह के पश्चात के जीवन का मार्मिक चित्रण हुआ है इनकी अन्य प्रमुख रचनाएँ हैं—अखरावट, आखिरी कलाम, चित्ररेखा, कहरानामा, मसलानामा आदि।

76. (D) मथुरा, आगरा, धौलपुर, ग्वालियर आदि क्षेत्रों में 'ब्रजभाषा' बोली जाती है। शेष तीनों बोलियाँ इन क्षेत्रों की नहीं हैं। अवधी पूर्वी उत्तर प्रदेश की, बाँगरू हरियाणा की तथा खड़ी बोली पश्चिमी उत्तर प्रदेश की प्रमुख बोलियाँ हैं।

77. (B) 'राँघड़ी बोली' हरियाणा में बोली जाती है। यह मूलतः राजस्थान के मालवा के राजपूतों में मालवी एवं मारवाड़ी के मिश्रण से बनी है तथा राँघड़ी नाम से प्रसिद्ध है।

78. (B) बाँगरू बोली हरियाणा में बोली जाती है या यह कहें कि हरियाणवी का ही अन्य नाम बाँगरू है। मालवी, निमाड़ी, और बुन्देलखण्डी मध्य–प्रदेश की प्रमुख बोलियाँ है।बुन्देलखण्डी वहाँ की अधिकांश जनसंख्या द्वारा बोली जाती है।

79. (A) रोमन लिपि का प्रयोग कुल्लई भाषा के लिए नहीं होता है।

80. (B) हिन्दी भाषा को कार्यान्वित करने का प्रस्ताव 14 सितम्बर, 1949 ई. को पारित हुआ था।

81. (C) कन्नोजी बोली मुख्यतः फरुखाबाद जिले में बोली जाती है। यह शौरसेनी अपभ्रंश से निकली है। फर्रुखाबाद के अलावा यह बोली, शाहजहाँपुर, हरदोई, इटावा, पीलीभीत आदि जिलों में बोली जाती है।

82. (C) हिन्दी के स्थान पर अंग्रेजी को सन् 1855 में भारत की शिक्षा और प्रशासन की भाषा के रूप में लार्ड मैकाले ने स्थापित किया था?

83. (D) भाषा के क्षेत्रीय रूप को 'बोली' कहा जाता है।

84. (A) अधिकांशतः 'बाँगरू' भाषा हरियाणा राज्य में बोली जाती है। यह शौरसेनी अपभ्रंश से विकसित पश्चिमी हिन्दी उपभाषा की बोली है जिसकी दो उपबोलियाँ 'जाटू' और 'चमरवा' प्रचलित हैं। हरियाणा के अतिरिक्त बांगरू पंजाब के दक्षिण पूर्व भाग में भी बोली जाती है।

85. (C) हिन्दी का मानक रूप खड़ी बोली से विकसित हुआ है। 'पूर्वी हिन्दी' के अन्तर्गत विकसित बोलियाँ अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी हैं।

86. (A) जनगणना, 2001 के अनुसार भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा 'बंगाली' है। संविधान के आठवीं अनुसूची में भारत में बोली जाने वाली 22 भाषाओं को मान्यता प्रदान की गयी है।

87. (B) 'हिन्दी' विश्व की लगभग 3000 भाषाओं में से एक है। आकृति या रूप के आधार पर हिन्दी वियोगात्मक या विश्लिष्ट भाषा है भाषा परिवार के आधार पर हिन्दी इन्डो परिवार की भाषा है। तथा संसार की प्रमुख भाषाओं में हिन्दी का द्वितीय स्थान है।

❑❑